संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 89
पृष्ठ 8
मंगलवार
17 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– बाजार का केक खाना.....

विचार– एक चुनाव को लेकर....

खेल– बल्लेबाजों ने फिर किया.....

निवेश आधारित विकास, कनेक्टिविटी एवं आपसी व्यापार बढ़ायेंगे भारत–श्रीलंका

● दोनों देशों के बीच क्षमता निर्माण एवं आपसी सहयोग के दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत एवं श्रीलंका ने एक दूसरे के सुरक्षा एवं रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए वचनबद्धता व्यक्त करते हुए आज अपनी द्विपक्षीय साझीदारी में निवेश आधारित विकास, कनेक्टिविटी एवं आपसी व्यापार बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत यात्रा पर यहां आए श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच यहां हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में उक्त सहमति बनी। बैठक दोनों देशों के बीच क्षमता निर्माण एवं आपसी सहयोग के दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक में श्रीलंका ने तमिलनाडु के मछुआरों की समस्या के समाधान के लिए मानवीय रुख अपनाने के भारत के रुख का समर्थन किया और एक सर्वमान्य हल निकलने तक भारतीय मछुआरों द्वारा विवादित क्षेत्र में भारी मशीनों से मछली पकड़ने पर रोक लगाने का अनुरोध किया। भारत ने तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा किये जाने की अपेक्षा व्यक्त की। बैठक के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में श्री मोदी ने राष्ट्रपति दिसानायक का भारत में हार्दिक स्वागत करते हुए कहा, "हमें खुशी है कि राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए आपने भारत चुना है। आज की इस यात्रा से हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा का सृजन हो रहा है। हमने अपनी साझीदारी के लिए एक भविष्योन्मुखी विज़न अपनाया है। हमने अपनी आर्थिक साझीदारी में निवेश आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर बल दिया है। और, निर्णय लिया है कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी हमारी भागीदारी के अहम स्तंभ होंगे।" उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच विद्युत ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करने पर काम किया जायेगा। सामपुर सौर ऊर्जा परियोजना को गति दी जायेगी। साथ ही, श्रीलंका के बिजली संयंत्रों के लिए द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति की जाएगी। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए, दोनों पक्ष 'एकता' को जल्द संपन्न करने का प्रयास करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने अब तक श्रीलंका को पांच अरब डॉलर के किफायती ऋण एवं अनुदान सहायता प्रदान की है। श्रीलंका के सभी 25 जिलों में हमारा सहयोग है। और हमारी परियोजनाओं का चयन सदैव साझीदार देशों की विकास प्राथमिकताओं पर आधारित होता है। अपने विकास सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, हमने निर्णय लिया है कि माहो–अनुराधापुरम रेल सेक्शन के सिग्नलिंग सिस्टम, और कांकेसंथुराई बंदरगाह के पुनरुद्धार के लिए अनुदान सहायता दी जाएगी। शिक्षा सहयोग के तहत अगले वर्ष से जाफना और पूर्वी प्रान्त के विश्वविद्यालयों में 200 छात्रों को मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। अगले पाँच वर्षों में श्रीलंका के 1500 लोकसेवकों को भारत में प्रशिक्षण दिया जाएगा। आवासन, नवीकरणीय ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के साथ–साथ, श्रीलंका में कृषि, डेयरी और फिशरीज के विकास के लिए भी भारत सहयोग देगा। श्रीलंका में यूनीक डिजिटल पहचान परियोजना के लिए भी भारत भागीदारी करेगा। श्री मोदी ने कहा, "हम दोनों इस बात से पूरी तरह सहमत हैं, कि हमारे सुरक्षा हित एक दूसरे से जुड़े हैं। हमने रक्षा सहयोग समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। हाइड्रोग्राफ़ी पर भी सहयोग की सहमति बनी है। हम मानते हैं कि कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव, क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और विकास के लिए अहम प्लेटफार्म है। इसके अंतर्गत, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले, साइबर सुरक्षा, तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाया जायेगा।" प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच संबंध हमारी सभ्यताओं से जुड़े हैं। जब भारत में पाली भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया गया, तो श्रीलंका में भी उसकी खुशी मनाई गई।

विधानसभा में नवीनी त दर्शक दीर्घा का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

लोकतंत्र में विधायिका का विशेष महत्व है-योगी

लखनऊ, संवाददाता। संविधान लागू होने के 75वें वर्ष के अवसर पर आज सदस्यों को संविधान की प्रति की प्रति भेंट की गयी। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा मण्डप की नवीनीकृत दर्शक दीर्घाओं का उद्घाटन किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने संविधान की मूल प्रति की एक–एक प्रति मुख्यमंत्री समेत अन्य नेताओं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को भेंट की। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष महाना ने नेताओं को दो अन्य पुस्तकें भी भेंट की। एक पुस्तक में यूपी के सभी मुख्यमंत्रियों और दूसरी पुस्तक नेता प्रतिपक्ष के बारे में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में विधायिका का एक विशेष महत्व है। यह एक मार्ग दर्शिका है। यहां सभी लोग एकत्र होते है। प्रदेश के विकाश पर चर्चा की जाती है। विधान सभा अध्यक्ष ने अपने पौने तीन साल के कार्यकाल के दौरान लोकतांत्रिक रूप से मजबूत करने के साथ ही आधुनिकता से जोड़ने का कार्य किया है। यूपी विधानसभा पेपरलेस हो गयी है। यह गौरवपूर्ण छड़ है। विधानसभा के गलियारों का सौंदर्यीकरण किया गया है, हम सबने देखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रश्नकाल में दो नहीं बल्कि 20–20 सदस्य अपना सवाल मंत्रियों से पूछ सकते हैं। यही सच्चा लोकतंत्र है। यह तब हो सका जब विधानसभा के नियमों से जरूरत के हिसाब से संशोधन किया गया। महिला सदस्यों के लिए एक दिन का पूरा समय दिया जाना हो दर्शक दीर्घा के नवीनीकरण का मुद्दा हो, सब पर कार्य किया है। 1952 से अबतक के मुख्यमंत्रियों के नेता सदन के रूप में कार्य से अवगत कराने का कार्य इस पुस्तक के माध्यम से किया गया। नेता प्रतिपक्ष के बारे में भी पुस्तक का प्रकाशन हुआ है। सदस्यों को इन पुस्तकों को पढ़ना चाहिए ताकि वे जान सकें कि अबतक के किन–किन महानुभावों ने नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष के रूप योगदान दिया है। संविधान लागू होने के 26 जनवरी 2025 को 75 वर्ष पूर्ण होने पर संविधान की मूल प्रति सदस्यों को दी गई जो सराहनीय कार्य है।

''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' को स्टालिन ने बताया लोकतंत्र के लिए खतरा

● कहा– क्षेत्रीय आवाज और संघवाद कर देगा खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' नीति पर जोर देने की कड़ी आलोचना की है और इसे एक संघीय विरोधी कदम बताया है जो भारत के लोकतंत्र और विविधता को खतरे में डालता है। एक्स पर एक पोस्ट में स्टालिन ने भाजपा पर चुनाव सुधार की आड़ में एकात्मक शासन प्रणाली लागू करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने कहा कि इंडिया संघीय–विरोधी और अव्यवहारिक श्एक राष्ट्र, एक चुनावश का विरोध करेगा क्योंकि यह देश को एकात्मक शासन प्रणाली के खतरों में धकेल देगा, जिससे इसकी विविधता और लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रपति शासन व्यवस्था लागू करना है, जो उन्होंने कहा कि यह भारतीय संविधान की भावना के विपरीत है। स्टालिन ने तर्क दिया कि यदि प्रस्ताव पारित हो गया, तो समय–समय पर राज्य चुनावों की प्रणाली खत्म हो जाएगी, जिससे क्षेत्रीय भावनाएं कमजोर होंगी और भारत की विविधता नष्ट हो जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय–समय पर चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महत्वपूर्ण जांच और संतुलन के रूप में काम करते हैं, जैसा कि संविधान निर्माताओं ने कल्पना की थी। प्रस्तावित विधेयक, यदि पारित और कार्यान्वित होता है, तो देश को अराजकता और अधिनायकवाद में जाने से रोकने के लिए लगाए गए कानूनी नियंत्रण और संतुलन को हटा देगा। स्टालिन ने भाजपा पर इस तरह के महत्वपूर्ण कानून को पारित करने के लिए आवश्यक संसदीय बहुमत की कमी के बावजूद प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस कदम को राजनीतिक हिसाब बराबर करने और भारत की प्रगति में बाधक प्रमुख मुद्दों को संबोधित करने में सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट मोर्चे का आह्वान करते हुए स्टालिन ने लोकतांत्रिक ताकतों से इस नीति का विरोध करने और भारत के संविधान की रक्षा करने का आग्रह किया।

भाजपा नेताओ ने झुग्गियों में रात बिता कर जानी लोगों की समस्याएं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अगले साल के शुरू में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ने लगी हैं। इस समय झुग्गी इलाकों में रहने वाले लोगों के करीब जाने की राजनीतिक दलों में होड़ मची हुई है। भाजपा की दिल्ली इकाई के नेताओं ने झुग्गीवासियों के साथ संपर्क साधने और 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए एक कार्यक्रम के तहत शहर भर में 1,194 झुग्गी बस्तियों में रात बिताई तो आम आदमी पार्टी ने इसे धोखा करार दे दिया। हम आपको बता दें कि भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं ने झुग्गियों में रहने वाले लोगों से सीधे बातचीत करने और उनकी चुनौतियों को समझने के लिए शहर भर में 1,194 झुग्गी बस्तियों में रात बिताई। भाजपा के एक बयान के अनुसार, भाजपा के झुग्गी विस्तार अभियान के हिस्से के रूप में झुग्गीवासियों से संपर्क बनाना और 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उनकी समस्याओं को दूर करना है।

संसद में भयंकर गरजीं प्रियंका!

सेना मुख्यालय से उतारी गई कौन सी तस्वीर के बारे में पूछा सवाल?

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि आज विजय दिवस है। 1971 के युद्ध में जिन बहादुर सैनिकों ने हमारे लिए लड़ाई लड़ी मैं उनको नमन करना चाहती हूं। बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा था, बांग्लादेश के लोगों, हमारे बंगाली भाइयों और बहनों की आवाज कोई नहीं सुन रहा था। उस समय जनता अपनी नेतृत्व के साथ खड़ी हुईं। उस समय इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, मैं उन्हें नमन करना चाहती हूं। उन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में साहस दिखाया और ऐसा नेतृत्व दिखाया जिससे देश विजयी हुआ। प्रियंका ने कहा कि पहला मुद्दा जो मैं चर्चा करना चाहती हूं वह यह है कि इस सरकार को बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, उनसे बातचीत करनी चाहिए और उनका समर्थन लेना चाहिए। दूसरा मुद्दा यह है कि आज सेना के मुख्यालय से एक तस्वीर उतारी गई है जिसमें पाकिस्तानी सेना भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर रही है।बाहर पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि मैंने सदन में दो मुद्दे उठाए। सबसे पहले मैं विजय दिवस की याद में जितने भी शहीद सेना थे मैं उनको नमन करना चाहती थी..और इंदिरा गांधी जी को याद करना चाहती थी जिनके नेतृत्व हमने ये लड़ाई जीती। इसके साथ ही मैं ये भी कहना चाहती थी कि आज बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार हो रहा है इस पर सरकार आवाज उठाए और बांग्लादेश से बात करे तथा उन्हें सुरक्षित रखें। दूसरा मुद्दा यह है कि आज सेना के मुख्यालय से एक तस्वीर उतारी गई है जिसमें पाकिस्तानी सेना भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर रही है।

नियंत्रण रेखा के पास दो तस्कर गिरफ्तार, 5.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास दो संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 5.50 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौशेरा सेक्टर से भारी मात्रा में हेरोइन जब्त किये जाने से सीमा पार से मादक पदार्थ की तस्करी करने के तस्करों के प्रयास को विफल कर दिया गया। हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये है। उन्होंने बताया कि रविवार देर रात शेर और कनेटी के अग्रिम गांवों में सेना तथा पुलिस के संयुक्त अभियान के दौरान आरोपियों––साजन कुमार (25) और सुभाष चंद्र (36) को गिरफ्तार किया गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को जम्मू के अरनिया सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन और उच्च श्रेणी का लगभग 500 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किये थे।

कांग्रेस ने लोकतंत्र की नहीं बल्कि एक परिवार की मजबूती के लिए संविधान संशोधन किये : सीतारमण

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संविधान की रक्षा की दुहाई देने वाली कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेस ने लोकतंत्र की मजबूती के बजाय एक परिवार की मजबूती के लिए संविधान संशोधन किये। श्रीमती सीतारमण ने सोमवार को संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर राज्यसभा में चर्चा की शुरूआत करते हुए संविधान सभा में शामिल 15 महिलाओं सहित 385 सदस्यों को श्रद्धांजलि दी और नमन किया। उन्होंने कहा कि यह सभी का कर्तव्य है कि हम इन सदस्यों की भावना के अनुरूप संविधान को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रयासरत रहें। उन्होंने जाने–माने संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का हवाला देते हुए कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अनेक देशों के संविधान अब प्रासंगिक नहीं हैं, लेकिन हमारे संविधान ने अनेक संकटों का सामना करते हुए अपनी प्रासंगिकता को बनाये रखा है। उन्होंने कहा कि संविधान विशेषज्ञों के अनुसार संविधान संशोधनों को कुछ कसौटियों से गुजरना होता है, लेकिन कांग्रेस ने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस संविधान की कितनी रक्षा करती है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसके नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने निर्वाचित नहीं होने के बावजूद स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति को प्रभावित करने के लिए संविधान लागू होने के एक वर्ष के अंदर ही उसमें संशोधन कर दिया। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी और संविधान सभा के सदस्य कामेश्वर सिंह ने इसे संविधान का अपमान बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन जन कल्याण और लोकतंत्र की मजबूती के लिए नहीं बल्कि पार्टी और प्रधानमंत्री की छवि को ध्यान में रखकर लाया गया।

मुर्मु और मोदी ने विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के नायकों को सोमवार को श्विजय दिवसश के अवसर पर श्रद्धांजलि दी। श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच 'एक्सश पर लिखा, "मैं विजय दिवस पर उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देती हूं, जिन्होंने 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत को विजय दिलाई। कृतज्ञ राष्ट्र हमारे वीरों के सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद करता है। शहीदों की वीरता की गाथा हर भारतीय को प्रेरित करती हैं और वे राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी रहेंगी।" श्री मोदी ने 'एक्सश पर लिखा, "आज, विजय दिवस पर, हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं जिन्होंने 1971 में भारत की ऐतिहासिक जीत में योगदान दिया।" प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने देश की रक्षा की। उन्होंने कहा, "यह दिन उनकी असाधारण वीरता और उनकी अडिग भावना को श्रद्धांजलि है,

सरकार अनुपूरक मांगें तो ला रही है लेकिन भ्रष्टाचार नहीं रोक पा रही : विपक्ष

नयी दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष ने सोमवार को लोक सभा में कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के मामलों को रोक पाने में असफल रही है और अनुदानों की अनुपूरक मांगे ला रही है। कांग्रेस के के सी वेणुगोपाल ने वर्ष 2024–25 के लिये अनुदानों की अनुपूरक मांगे, प्रथम बैच पर चर्चा की शुरुआत करते हुये अडानी शेयर घोटाले का मामला उठाया और कहा कि जो प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड–सेबी की प्रमुख हैं, वह शेयरों में घोटाले की जांच कैसे कर सकती हैं, जब खुद उन पर इस मामले में आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार साठगांठ वाली पूंजीवादी व्यवस्था और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि अडानी मामले में लोगों के मन में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं और सरकार को इन सब सवालों का जवाब इस मामले की जांच के लिये संयुक्त संसदीय समिति–(जेपीसी) का गठन करके देना चाहिये। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर तरह–तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और लोग अडानी से सरकार के संबंधों पर चर्चा कर रहे हैं लेकिन सरकार इस मामले में चुप्पी क्यों साधे हैं। सरकार को अनुपूरक मांगें पारित करनी चाहिये लेकिन भ्रष्टाचार हो रहा है और भ्रष्टाचार को लेकर जवाबदेही होनी चाहिये। श्री वेणुगोपाल के सरकार पर लगाये गये आरोपों को लेकर हस्तक्षेप करते हुये संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार ने अडानी या किसी अन्य को अरबपति नहीं बनाया है। उद्योगपतियों को शह कांग्रेस की सरकारें देती रही हैं, और उन्होंने ही इन उद्योगपतियों को पत्तन तथा अन्य स्थलों पर काम सौंपा है। भाजपा के डॉ संजय जायसवाल ने कहा कि राज्यों को केंद्र सरकार ने पांच लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी दी थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में किसी भी केंद्रीय मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया जा सकता है जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) का नाम बदलकर इंडिया गठबंधन कर दिया है क्योंकि यूपीए भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया था। केंद्र सरकार ने तीन लाख 43 हजार करोड़ रुपये केंद्र की तरफ से राज्यों को भेजा गया है और उसमें कहीं कोई गड़बड़ी नहीं हुई।

फिल्मी स्टाइल में गिरफ्तारी, डॉक्टर व नर्स बनकर बगल के कमरे में रुके दो पुलिसकर्मी

प्रयागराज। बंगलूरू पुलिस ने निकिता की मां व भाई की गिरफ्तारी बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में की। बंगलुरू पुलिस के दो जवान एक दिन पहले इसी होटल में डॉक्टर व नर्स बनकर ठहरे। रात भर मां–बेटे पर नजर बनाए रहे और सुबह होते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुख्ता सूत्रों के मुताबिक, 13 दिसंबर को जौनपुर स्थित आरोपियों के घर पर नोटिस चस्पा करने के बाद तलाश में जुटी बंगलूरू पुलिस की टीम

को उसी दिन मां–बेटे की लोकेशन मिल गई। इसके बाद देर रात दो बजे के करीब बंगलूरू पुलिस के दो पुलिसकर्मी मदर शिवप्पा व विनीथा ए डॉक्टर व नर्स बनकर होटल में पहुंचे। बातचीत के दौरान ही उन्होंने गेस्ट रजिस्टर मांगा और उसके एक पन्ने की फोटो भी खींच ली। मां–बेटे कमरा नंबर 111 में ठहरे हुए थे जबकि यह दोनों कमरा नंबर 101 व 108 में ठहरे। रात भर दोनों सोए नहीं और इधर उधर टहलते रहे। सुबह आठ बजे के करीब वह मां–बेटे के कमरे में पहुंच गए और फिर उनसे लंबी बातचीत की। 11 बजे के करीब उन्होंने होटल से ही कैब बुक की और दोपहर में वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचे। इसके बाद उन्हें लेकर रवाना हो गए। देश भर में चर्चा का विषय बने इस मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी का ऑपरेशन बंगलूरू पुलिस ने इतना गोपनीय रखा कि स्थानीय पुलिस को भी इसकी भनक नहीं लगने दी। न ही कोई संपर्क किया। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि इस मामले में बंगलूरू पुलिस ने कोई संपर्क नहीं किया। न ही गिरफ्तारी संबंधी कोई जानकारी दी। निकिता की मां व भाई के झूंसी स्थित होटल में रहने की पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से भी हुई है। इसमें बुधवार रात ही दोनों होटल में घुसते नजर आए हैं। इस दौरान दोनों ने वही कपड़े पहन रखे थे जो बुधवार रात घर में ताला लगाकर फरार होते वक्त उन्होंने पहने हुए थे। यह बात भी सामने आई है कि चार दिनों तक होटल में रहने के दौरान मां एक बार भी होटल से बाहर नहीं निकली। बेटा निकला लेकिन वह भी चेहरे पर मास्क लगाकर ही निकला। झूंसी स्थित होटल में छिपे थे निकिता की मां व भाई बंगलूरू के इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड केस में गिरफ्तार की गई उनकी पत्नी की मां व भाई झूंसी स्थित होटल में छिपे हुए थे। घर छोड़कर फरार होने के बाद से उन्होंने यहीं ठिकाना बना रखा था। बंगलूरू पुलिस की टीम ने उन्हें शनिवार सुबह 11 बजे के करीब हिरासत में ले लिया और कैब से वाराणसी ले गई। इसके बाद फ्लाइट से लेकर उन्हें रवाना हो गई। नौ दिसंबर को हुई इस घटना के बाद 11 दिसंबर की आधी रात निकिता की मां निशा व उसका भाई अनुराग उर्फ पीयूष जौनपुर स्थित घर में ताला लगाकर कहीं चले गए थे।

कोशिश संस्था की मासिक काव्य गोष्ठी संपन्न

जौनपुर ससाहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था कोशिश की मासिक काव्य गोष्ठी 15 दिसम्बर की शाम बाबू रामेश्वर प्रसाद सिंह सभागार रासमंडल में वरिष्ठ साहित्यकार श्री गिरीश कुमार

गिरीश जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री रामजीत मिश्र पूर्व प्राध्यापक नवोदय विद्यालय रहे। माँ वीणा वादिनी के वंदना के पश्चात कमलेश कुमार ने दोहा––है मौसम बदला हुआ,झुर–झुर बहे बयार।

नहीं भूलता है मुझे,गोरी तेरा प्यार।।

खूब पसंद किया गया।नंदलाल समीर का गीत––द्वार पर फिरता रहता एक फकीर हूँध्हर पल बहता रहता,शांत समीर हूँ।सबको अपनी मस्ती में डुबो गया।डॉक्टर संजय सागर का गीत––दिल के तारों को ऐसे न छेड़ा करोध्मन की मदिरा अभी ये छलक जायेगी।रूमानियत और मांसल सौंदर्य की अनुभूति करा गया तो वहीं सुमति श्रीवास्तव का गीत..राम हमारे दिल के भीतर और शिवा से प्राण है।अध्यात्म का भाव जगा गया।अशोक मिश्र की रचना––कब से विकल जोहती सरयू ध्आओगे कब मेरे रामध्सरयू की विकल प्रतीक्षा का मार्मिक चित्रण कर गई। ख्यात गीतकार जनार्दन प्रसाद अष्ठाना का गीत––अपना ही चेहरा विकृत हुआध्तो सारे दर्पण क्यों तोड़ेंध्सामाजिक–राजनीतिक वातावरण पर गंभीर टिप्पणी करता लगा तो वहीं प्रो. आर.एन.सिंह की पंक्ति––सौ सौ चूहे खाकर धबिल्ली गंगा चली नहाने कोध पाखंड पर करारा प्रहार कर गई। राम जीत मिश्र का शेर––लोग आने की खुशी में भूलेध्मुझको हर गाम वापसी दिखतीध्खूब पसंद आया।

गिरीश कुमार गिरीश शेर––

असंभव है कपट छल से सुकूं ना चौन पाओगे।।
निगल जायेगी दलदल हवश में गर डूब जाओगे।।
मुखौटे में न खो जाये तुम्हारा रूप रंग चेहरा–
मुखौटे पर मुखौटा यार कब तक तुम लगाओगे।।

सामाजिक ताने बाने पर गहरा चोट कर गया। गोष्ठी में संजय सेठ,विनय कांत मिश्र और फूल चंद भारती ने प्रतिभाग किया। संचालन अशोक मिश्र और आभार ज्ञापन डाक्टर विमला सिंह ने किया।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी इलाहाबाद द्वारा निकली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 114 सन 2024

डॉ राहुल (बालिग) पुत्र स्व. शिवबाबू निवासी 893/1325 आर्य कन्या रोड, मुट्ठीगंज तहसील सदर प्रयागराज

बनाम

हेमश्री पुत्री स्व. शिवबाबू निवासी एफ/180/9 राजाजीपुरम आवास विकास कालोनी लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

अपने माता मृत स्व.मीना केसरवानी को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन के लिए ।**

चूंकि वादी ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2024 के 12 का 19 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी प्रयागराज** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

16/12/2024 दिवस को दिनांकित।

नियत तिथि - **19/12/2024**

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी प्रयागराज द्वारा निकली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 623 सन 2022

इफ्तेखार आलम पुत्र स्व. शमशाद आलम निवासी 45ए/1बी गौस नगर, करैली परगना व तहसील सदर प्रयागराज

बनाम

1. अनवार आलम खान उम्र 59 वर्ष , **2. असरार आलम खान** उम्र 53 वर्ष , **3. इजहार आलम खान** उम्र 51 वर्ष, **4. मशफूज आलम** खान उम्र 41 वर्ष, विपक्षी नंबर 1 से 4 पुत्र शमशाद आलम नि. 45 ए/1बी गौस नगर करैली परगना व तहसील सादर प्रयागराज , **5. साफिया खान** उम्र 41 वर्ष पुत्री स्व. शमशाद आलम नि. 130/34 गोघास अयाज अली मार्ग रीवां, **6. आफिया खान** उम्र 51 वर्ष पुत्री स्व. शमशाद आल नि. 458/2-डी गौस नगर, करैली परगना व तहसील सदर प्रयागराज, **7. सबीश खान** उम्र 45 वर्ष पुत्री स्व. शमशाद आलम नि. 74/64 बख्तियारी कटरा इलाहाबाद

अपने पिता मृत स्व. शमशाद आलम खान को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन के लिए ।**

चूंकि... ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2024 के 12 का 19 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी प्रयागराज** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

16/12/2024 दिवस को दिनांकित ।

नियत तिथि - **19/12/2024**

न्यायाधीश

खींचतान के बीच रामनौमी दास बड़ा उदासीन अखाड़े की पश्चिम पंघत के नए महंत घोषित

प्रयागराज। तीखी झड़प और कहासुनी के बीच आखिरकार रविवार को श्रीपंचायती अखाड़ा

बड़ा उदासीन की पश्चिम पंघत के नए महंत का एलान कर दिया गया। हरिहर उदासीन आश्रम नई दिल्ली के राम नौमी दास पश्चिम पंघत के नए महंत होंगे। सोमवार को सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में नए महंत का पट्टाभिषेक होगा। कीडगंज स्थित पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन परिसर में रविवार की सुबह अखाड़े की चारों पंघतों के संतों–महंतों और महामंडलेश्वरों की मौजूदगी में पश्चिम पंघत के नए महंत का चयन किया गया । सभी ने सर्वसम्मति से हरिहर उदासीन आश्रम नई दिल्ली के बाबा रामनौमी दास के नाम पर सहमति जताई। ब्रह्मलीन संत गुरु शरण दास के शिष्य रामनौमी दास बचपन से ही वैरागी हैं । वह जलधारा के बीच कठोर साधना के लिएजाने जाते रहे हैं। उनकी साधना, लगन और अखाड़े के प्रति निष्ठा को देखते हुए देश भर से आए संतो नें सर्वसम्मति से उन्हें पश्चिम पंघत का महंत चुना। नए महंत के चयन के बाद अगहन पूर्णिमा का सविधि पूजन अखाड़े के प्राचीन मंदिर में हुआ ।इसके बाद नए महंत को लेकर संत संगम पहुंचे, जहां उनको त्रिवेणी स्नान कराया गया। इसके बाद अखाड़े में उनके प्रवेश पर स्वागत किया गया। सोमवार को उनके चयन की औपचारिक घोषणा के साथ ही गद्दी पर पदारूढ़ करा दिया जाएगा । महंत पद के लिए पट्टाभिषेक के बाद समस्त अखाड़ों के प्रतिनिधियों की ओर से उन्हें उदासीन संप्रदाय के पश्चिमी पंघग के महंत की मान्यता प्रदान की जाएगी । नए महंत रामनौमी दास की शिखा को अखाड़े के उत्तर पंघग श्रीमहंत महेश्वर दास, दक्षिण पंघत के महंत दुर्गा दास,पूर्वी पंघत के महंत अद्वैतानंद की ओर से उनकी जटाओं को बांटने की परंपरा पूरी कराई। मुखिया महंत दुर्गादास ने बताया कि सोमवार को नए महंत को पदासीन कराने का ऐतिहासिक दिन होगा। इसमें महंत रघुमुनि दास के हटने से रिक्त हुए पद की पूर्ति की घोषणा की जाएगी। महंत दुर्गा दास ने बताया कि नए महंत के चयन को लेकर अखाड़े में किसी प्रकार का कोई भी मन मुटाव या कलह नहीं है । गड़बड़ी फैलाने के मामले में दोषी पाए जाने वाले संतों को अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया है । अखाड़ा अपनी संपदा, भूमि, भवन और अन्य संपदा को संरक्षित करने के लिए कटिबद्ध है। पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के पश्चिम पंघत के नए महंत राम नौमी दास का पट्टाभिषेक सोमवार को कीडगंज स्थित अखाड़ा परिसर में होगा। इस पट्टाभिषेक में सभी षड्दर्शन अखाड़ों के महंत, ज्ञानी मुनि, ध्यानी और हर परंपरा के संतों को आमंत्रित किया गया है। महंत रघुमुनि दास ने रविवार को कहा कि पश्चिम पंघत के महंत के पद से उनको नहीं हटाया जा सकता है। चुनाव की प्रक्रिया असांविधानिक है। इसके खिलाफ मैं अदालत की शरण लूंगा। न्यायालय से मुझे स्थगन आदेश प्राप्त है। इस आधार पर अभी तक पश्चिम पंघत का महंत मैं ही हूं और रहूंगा। इसमें किसी भी तरह के परिवर्तन की बात करना अखाड़े की परंपरा के विपरीत है।

सिर्फ हिंदुओं से ही खरीदें फल, सब्जी और सामान, जनसंख्या नियंत्रण कानून जरूरी

प्रयागराज। शहर के नैनी मुक्ता विहार में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के

संस्थापक प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि सभी को संकल्प लेना चाहिए कि फल सब्जी और कोई भी सामान वह सिर्फ हिंदुओं की दुकानों से ही खरीदेंगे। किसी भी कीमत पर हिंदुओं को बहुसंख्यक बनाए रखना है। इसके लिए चाहे डंडे का सहारा लें और चाहे कानून का। दूसरे धर्मों की बढ़ती आबादी आने वाले समय के लिए खतरा है। जनसंख्या नियंत्रण कानून जरूरी है। नैनी में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आरपी पांडेय के आवास पर आयोजित बैठक में प्रवीण तोगड़िया ने बांग्लादेश और संभल के मुद्दे पर भी कड़ी टिप्पणी की। कहा कि हिंदुओं का उत्पीड़न करने वाला समाज कभी उनका भाई नहीं हो सकता है। कहा कि संभल में मिले मंदिर की पूजा शुरू हो गई है और आगे भी होती रहेगी। सभी को अपने घर पर हनुमान चालीसा, रामायण का पाठ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल जरूरतमंदों की मदद करेगा। साथ ही गरीबों को कंबल, भोजन आदि की व्यवस्था करेगा। प्रवीण तोगड़िया ने हिंदू रक्षा निधि अर्पण के लिए भी लोगों को प्रेरित किया। कहा कि सभी लोग अपनी इच्छा से संगठन को सहयोग दें। इससे हिंदुओं को मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. आरपी पांडेय ने कहा कि सनातन को जागरूक करने का यह सही समय है। कार्यक्रम के दौरान महिला परिषद की अध्यक्ष कुसुम पांडेय और मंत्री डॉ. केके शुक्ला ने प्रवीण तोगड़िया का स्वागत किया। इस दौरान डॉ. सुमित तिवारी, संजय अग्रवाल, राकेश पांडेय, अजय शुक्ला, राहुल त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ के मुरीद हुए जापान, स्पेन और नेपाल से आए विदेशी संत, रास आ रही भारतीय संस्कृति

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन के पहले महाकुंभनगर में देश के कोने कोने से आए साधुओं के अलावा विदेश से भी साधु संतों के आने का सिलसिला तेज होता जा रहा है। अखाड़ों की धर्म ध्वजा, नगर प्रवेश और कुंभ छावनी प्रवेश यात्रा की परंपरा में महाकुंभ पहुंचे इन विदेशी साधु संतों को भी महाकुंभ की नव्य व्यवस्था रास आ रही है। प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन की तिथि जैसे जैसे निकट आ रही है महाकुंभ क्षेत्र के अखाड़ा सेक्टर में साधु संतों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। देश विदेश से साध ु–संतों मेले में पहुंचने लगे हैं। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में शामिल होने आए विदेशी संतों को महाकुंभ रास आ रहा है। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर सोम गिरि उर्फ पायलट बाबा की जापानी शिष्या योग माता एवं महामंडलेश्वर केको कई जापानी साध्वी के साथ छावनी प्रवेश में शामिल हुईं। उनका कहना है कि जूना अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा से आगामी महाकुंभ के आयोजन का अंदाजा लगने लगा है। एयर कनेक्टिविटी से लेकर ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था अच्छी है। नेपाल से आईं महिला संत और जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर हेमानंद गिरि का कहना है कि संतों का सौभाग्य है कि जिस प्रदेश में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है, वहां के मुख्यमंत्री भी एक संत हैं। योगी जी की तरफ से जिस तरह भव्य और दिव्य महाकुंभ के आयोजन का संकल्प लेकर आयोजना की तैयारियां चल रही हैं उससे सनातन धर्म का प्रचार प्रसार नेपाल सहित दुनिया के विभिन्न देशों में अब तेजी से हो रहा है।

स्वच्छ और डिजिटल महाकुंभ से विदेशी संत भी खुश प्रदेश की योगी सरकार की प्राथमिकता प्रयागराज महाकुंभ को दिव्य और भव्य स्वरूप देने के साथ स्वच्छता और डिजिटलाइजेशन पर जोर दिया जा रहा है। विदेशी संत भी इससे खुश हैं। स्पेन से अखाड़ों के विभिन्न आयोजनों में हिस्सा लेने आई जूना अखाड़े की अवधूत अंजना गिरि जिनका पहले नाम एंजिला था का कहना है कि पिछले 30 बरस से वह लगातार महाकुंभ अपने गुरु के साथ आती रही हैं, लेकिन इस बार महाकुंभ की अनुभूति अलग है। स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इनफॉर्मेशन भी डिजिटल प्लेटफार्म पर मिल रही हैं जिससे बाहर के देशों से आने वाले श्रद्धालुओं और टूरिस्ट के लिए आसानी हो गई है। फ्रांस से महाकुंभ में जूना अखाड़े के आयोजन में शामिल होने आए ब्रूनो गिरि कहना है कि महाकुंभ के आयोजन में वह पहले भी दो बार आए चुके हैं, लेकिन इस बार शहर बदला बदला सा लगता है। उत्सव की अनुभूति होती है।

अतुल सुभाष के ताऊ ससुर सुशील सिंघानिया की अग्रिम जमानत पर हाइकोर्ट में बहस पूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के ताऊ ससुर सुशील सिंघानिया की अग्रिम जमानत पर सोमवार को बहस पूरी हो गई। आज ही इस पर फैसला आ सकता है। अदालत में बहस के दौरान निकिता के वकील ने निकिता, उसकी मां और भाई की गिरफ्तारी का ठीकरा मीडिया पर फोड़ा है। कहा

कि सामान्य पारिवारिक विवाद को मीडिया ने इतना तूल दे दिया कि आनन फानन में कर्नाटक पुलिस ने गिरफ्तारी कर ली। स्थानीय पुलिस को सूचना तक नहीं दी गई। ताऊ ससुर सुशील सिंघानिया 70 साल के हैं। तमाम गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में इन्हें कर्नाटक की संबंधित अदालत से न्यायिक उपचार पाने तक अग्रिम जमानत प्रदान की जाए। शासकीय अधिवक्ता आशुतोष कुमार संड ने अग्रिम जमानत का कड़ा विरोध किया। कहा कि अतुल सुभाष ने अपनी सुसाइड नोट में स्पष्ट रूप से सुशील सिंघानिया के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं। एफआईआर नौ दिसंबर को दर्ज हो गई थी, उसके बाद इनके पास कर्नाटक की अदालत में पेश होने और विधिक उपचार हासिल करने का पर्याप्त समय था, लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं किया। लिहाजा ये अग्रिम जमानत के हकदार नहीं हैं।

कुंभनगरी में लोगों को उपहार में पौधे देंगे पर्यावरण बाबा, हर समय लदे रहते हैं रत्न जड़ित आभूषणों से

प्रयागराज। हाथ में सोने के कंगन और हीरे से जड़ित घड़ी पहनने वाले अरुण गिरि महाराज कुंभनगरी में पहुंच गए हैं। यह पर्यावरण बाबा के नाम से भी विख्यात हैं। अब तक एक करोड़ से अधिक पौधे लगाने वाले पर्यावरण बाबा महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को करीब 50 हजार फलदार पौधे बांटने की तैयारी कर रहे हैं। वेशभूषा में यह किसी भी तरह से गोल्डने बाबा से कम नहीं दिखते। हीरे से जड़ित घड़ी के साथ ही शरीर पर रत्न और सोने के तमाम आभूषण पहने हुए हैं। महामंडलेश्वर अवधूत बाबा का असली नाम अरुण गिरी महाराज है। यह लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। महाकुंभ में उनसे मिलने आने वाले भक्तों को वह पौधे भेंट करेंगे। पायलट बाबा के शिष्य अरुण गिरि महाराज हर समय रत्न जड़ित स्वर्ण आभूषण से लदे रहते हैं। इसमें हीरा जड़ित उनकी घड़ी भी शामिल है। अंगुलियों में दस तरह से रत्नों से युक्त अंगूठी धारण करते हैं। हाथ में चांदी का दंड हमेशा साथ रखने वाले पर्यावरण बाबा हाथ में सोने के कड़े और बाजू बंद पहनते हैं। स्फटिक और क्रिस्टल की कीमती आभूषण भी उनकी खास पसंद है। इनके शरीर पर मौजूद सभी आभूषणों के अलग–अलग महत्व और मान्यता हैं। पर्यावरण प्रेमी अरुण गिरि जी महाराज महाकुंभ में 51 हजार से अधिक फलदार पौधे श्रद्धालुओं को बांटेंगे। उनका मानना है कि पेड़ों से ही जीवन को बचाया जा सकता है।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी इलाहाबाद द्वारा निकली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 286 सन 2024

श्रीमती मीना देवी पत्नी स्व. केदारनाथ नि. 161/83 चाँदपुर सलोरी परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज

बनाम

1.विजय लक्ष्मी पुत्री स्व. केदारनाथ , **2.सुधा कुमारी** पुत्री स्व. केदारनाथ , **3.अनिल कुमार** पुत्र स्व. केदारनाथ , **4.सुशील कुमार** पुत्र स्व. केदारनाथ, **5.संदीप कुमार** पुत्र स्व. केदारनाथ , **6.दीक्षा कुमारी** पुत्री स्व. केदारनाथ , सभी निवासीगण 161/83 चाँदपुर सलोरी परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज

अपने...मृत...को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन के लिए ।**

चूंकि... ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2024 के 12 का 19 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी प्रयागराज** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

16/12/2024 दिवस को दिनांकित ।

नियत तिथि - **19/12/2024**

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी इलाहाबाद द्वारा निकली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 301 सन 2024

समीम खान उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्व. हाफिज उल्लाह खान निवासी 130 एल.आई.जी., ए डी ए कालोनी सुलेम सरायं आवास योजना परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज ।

बनाम

1. शहनवाज खान उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र स्व. मो हाफिज उल्लाह खान नि. E.W.S. 470 धूमनगंज प्रयागराज पिनकोड 211011 , हाल पता 130 एल.आई.जी., ए डी ए कालोनी सुलेम सरायं आवास योजना परगना व तहसील सदर जनपद प्रयागराज , **2. शहजादी बेगम** उम्र लगभग 47 वर्ष पत्नी इमरान खान नि. 4/406 विराम खण्ड 4 गोमती नगर लखनऊ पिनकोड- 226010 , **3. शमशादी** उम्र लगभग 41 वर्ष पत्नी नवाब आली खान नि. प्लॉट नं. 272 इमाम चौक के सामने साउथ ककरमत्ता वाराणसी उत्तर प्रदेश पिन कोड नंबर 221004

अपने पिता मृत स्व. मो हाफिज उल्लाह खान को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन **1889 ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन के लिए ।**

चूंकि वादी ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2025 के 01 का 05 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिवल जज (क.श्रे.) गर्वी प्रयागराज** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

16/12/2024 दिवस को दिनांकित।

नियत तिथि - **19/12/2024**

न्यायाधीश

अर्पित टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की 25वीं वर्षगांठ मनाई गई

प्रयागराज । अर्पित टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की 25वीं वर्षगांठ जीवन ज्योति अस्पताल की इकाई अर्पित टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम सिविल लाइंस स्थित एक होटल में उल्लास सहित संपन्न हुआ। अर्पित टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर बेबी सेंटर का लोकार्पण 18 सितंबर, 1999 में उस समय उत्तर प्रदेश के राज्यपाल सूरजभान एवं भारत मानव संसाधन विकास, विज्ञान–तकनीकी एवं समुद्र विज्ञान मंत्री भारत सरकार ने किया था। अर्पित टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर की डायरेक्टर वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवंआईवीएफ विशेषज्ञ डॉ वंदना बंसल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि की संतान दंपतियों के आंगन का सूनापन दूर करने के टेस्ट ट्यूब ब्यूटी सेंटरघ के रूप में मेरा प्रयास है । आज यहां एकत्र हुए के सहयोग से पैदा हुए बच्चों और उनके प्रसन्नचित्त माता–पिता को देखकर अपार प्रसन्नता हो रही है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने डॉ वंदना बंसल को उनकी सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और ये बच्चे तो बहुत अमूल्य हैं सामान्य बच्चों से कहीं अधिक सफल होंगे ऐसा मेरा विश्वास है। डॉ शांति चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ वन्दना बंसल अर्पित टेस्ट ट्यूब बेबी के माध्यम से निस्संतान दम्पत्तियों के जीवन में खुशी भरने का सराहनीय कार्य कर रही हैं जो उनकी लगन एवं उनके समर्पण का परिणाम है। इस कार्यक्रम में सतना, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, भदोही वह अन्य जनपदों से आईवीएफ बच्चे अपने अभिभावकों के साथ आए और उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जिसकी लोगों ने सराहना की। डॉ वन्दना बंसल ने बच्चों के लिए एक गीत सुनाया–प्यार की राह दिखा दुनिया को रॉक जो नफरत की आंधी तुमसे ही कोई गौतम होगा तुमसे ही कोई होगा गांधी। इस अवसर पर डॉ साक्षी बंसल,आन्या, डॉ आर के शर्मा, डॉ आलोक खरे, डॉ अंजुला सहाय, डॉ वर्मा , ममता, सौगात बोस समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

किशोर और किशोरी ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, चिलबिला स्टेशन के पास रेलगाड़ी के आगे लगाई छलांग

प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र के उमापुर कला ग्राम पंचायत के जलैया गांव निवासी मो. मुस्तफा के बेटे मो.तस्लीम (16) और माताराज निषाद की पुत्री आंचल (17) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। सोमवार को भोर में करीब साढ़े चार बजे दोनों ने दिल्ली हावड़ा रेलवे ट्रैक के डाउन लाइन पर दानापुर स्पेशल ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। दोनों के शवों के चीथड़े उड़ गए। घटना से परिवार में जहां कोहराम मच गया वहीं गांव में भी अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची मांडा पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसआरएन भेज दिया। मृतका आंचल चार भाई व तीन बहन में चौथे नंबर पर थी और महेवा कलां गांव स्थित वशिष्ठ सेवा संघ इंटर कॉलेज में इंटर की छात्रा थी। मृतका आंचल की मां छोहरा देवी, भाई भोला नाथ का रो–रोकर बुरा हाल रहा। आंचल के भाई भोला ने पुलिस को बताया कि आंचल सुबह चार बजे शौच जाने की बात कहकर घर से निकली थी और घर से करीब सात सौ मीटर दूर रेलवे ट्रैक पर उसका क्षत–विक्षत शव मिला।

'माँ की ममता'

खुद गुलामों की तरह कर्म करके,

हमें राजा–रानियों की तरह प्यार देती,

अगर लग जाए कही हमें थोड़ा–सा भी चोट,

तो सबसे पहले पीड़ा हमारी वह सहती ।

दुनिया में कोई न दे सका माँ

प्यार तुम्हारी तरह,

संसार की सारी खुशियाँ वो ही तो है

अपने माँ के ममता को देखो जरा ।

वे सब तो सबसे बड़े मूर्ख है,

जो आपके ममता को न समझ पाया,

संसार का सबसे ज्यादा सुख उन्हीं को मिला ,

जिन्होंने आपके ममता को पाया।

दिबाकर केउँट
कक्षाः– नौवीं
प्रतापगढ़ चाय बागान आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय,
विश्वनाथ चारिआलि, विश्वनाथ,असम

'एनयूजेआई प्रयागराज की मासिक बैठक सम्पन्न'

'महाकुम्भ 2025 और मिर्जापुर में होने वाली एनयूजेआई की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक पर हुई चर्चा'

प्रयागराज सनेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट एसोसिएशन प्रयागराज इकाई की दिसंबर माह की मासिक बैठक संरक्षक परवेज आलम की मौजूदगी और प्रयागराज जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सिविल लाइन स्थित अस्थाई कार्यालय पर सम्पन्न हुई।इस बैठक में आगामी महाकुंभ 2025 के आयोजन को लेकर एनयूजेआई की तरफ से हो रही तैयारियों की समीक्षा तथा मिर्जापुर में 22 दिसंबर रविवार को होने वाली प्रदेश स्तर की बैठक के संदर्भ में चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि 2025 में होने वाले महाकुंभ की रिपोर्टिंग करने के लिए बिना किसी रूकावट के पत्रकारों को सुविधा मिले इसके लिए एनयूजेआई प्रयागराज इकाई की गठित कमेटी अपने स्तर पर मेले में पत्रकारों को सुविधा दिलाने के लिए प्रयास कर रही है। संरक्षक पवन द्विवेदी की अगुवाई में गठित कमेटी ने महाकुंभ मेले में पत्रकारों की सुविधा के लिए मेला अधिकारी विजय किरण आनन्द से मिलकर पूर्व मे पत्र सौपा था । सरक्षक परवेज आलम ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि महाकुंभ 2025 के पास पूर्ववत 2019 की तरह ही मिडिया पास जारी किया जाए ।

वही बैठक की अध्यता करते हुए जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहाँ कि महाकुंभ 2025 के मिडिया पास तथा मिडिया कैम्प पूर्ववत 2019 दिव्य कुंभ की पूर्ववत व्यवस्था दे । वही महामंत्री राजीव सिंह ने कहाँ कि मिर्जापुर में होने वाली एनयूजेआई की प्रदेश स्तर की बैठक की चर्चा की ।उन्होंन कहा कि प्रदेश स्तर की होने वाली इस बैठक में प्रयागराज इकाई से जाने वाले पदाधिकारियों को कार की सुविधा प्रदान की जा रही है। 22 दिसंबर दिन रविवार को सब एक स्थान पर एकत्रित हो साथ चलेंगे। जो पदाधिकारी मिर्जापुर बैठक में जाना चाहते है वो 20 दिसंबर तक मुझे व्यक्तिगत सम्पर्क कर सूचित करें जिससे बैठक में जाने की तैयारी की जा सके।

मासिक बैठक में प्रमुख रूप से संरक्षक परवेज आलम जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव महामंत्री राजीव कुमार सिंह,उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार वीरेंद्र श्रीवास्तव संतोष सिह मंत्री मधुर दरबारी,मंत्री संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला,, मंत्री इरफान खान रंजीत निषाद मंत्री,शिव कुमार पांडेय वी के यादव ब्रिजेश केसरवानी रामबाबू कुलदीप अनिल तिवारी,आदि लोग उपस्थित थे।

चेतना महोत्सव मिर्जापुर में विजेता बच्चों को किया गया पुरस्कृत

बच्चे देश का भविष्य हैं उन्हें प्रोत्साहित करना हमारा दायित्व है– पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव

प्रतियोगताओं से बच्चों का व्यक्तित्व निर्माण होता है– डॉ नीरज त्रिपाठी

जीवन एक परीक्षा है,उसमें हिम्मत और जोश बनाये रखना जरूरी है– भोलानाथ कुशवाहा

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज की मीरजापुर इकाई के तत्वावधान में विंध्यवासिनी महाविद्यालय के क्रिस्टल हाल में रविवार को चेतना महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अध्यक्षता कर रहे डॉ नीरज त्रिपाठी, मुख्य अतिथि पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि राजपति ओझा और सुभाष वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रसिद्ध गायक देवा ने सरस्वती वंदना व देवी गीत से सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ किया। आचार्य राम चन्द्र शुक्ल विद्यालय के बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गान और बाल विवाह अपराध है विषय पर नाटक प्रस्तुत किया। गायिका कल्पना गुप्ता ने गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ नीरज त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्रतियोगिताओं से बच्चों का व्यक्तित्व निर्माण होता है। जो उनके जीवन के लिए उपयोगी है। मुख्य अतिथि पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं उन्हें अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहित करना हमारा दायित्व है। वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने संदेश दिया कि जीवन एक परीक्षा है। जरूरी है हिम्मत और जोश बनाये रखने की।

साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी ने संस्था के बारे में जानकारी दी। अतिथियों को अंगवस्त्र, माल्यार्पण और स्मृति चिह्न देकर संगठन सचिव सुधाकर त्रिपाठी व सासाराम से आये संस्था के निर्णायक श्री मनोज ने सम्मनित किया। संचालन आनंद अमित, पूजा यादव व सृष्टि राज ने संयुक्त रूप से किया। स्वागत भाषण कुल भूषण पाठक ने दिया।

ज्ञात होकि गत तीन नवम्बर को आयोजित सामान्य ज्ञान एवं निबन्ध प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं में नगर सहित सुदूर ग्रामीण अंचल के 15 से अधिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।चार वर्गों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं के कनिष्ठ वर्ग में कक्षा चार से छह, मध्यम वर्ग में कक्षा सात व आठ,ज्येष्ठ वर्ग में कक्षा नौ व दस एवं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह व बारह के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में खूशबू कान्वेंट स्कूल के दीपक कुशवाहा,मध्यम वर्ग में गुरुनानक इण्टर कॉलेज के संकल्प दूबे,ज्येष्ठ वर्ग में इसी विद्यालय की कु.वर्षा प्रजापति एवं वरिष्ठ वर्ग में इसी विद्यालय की कु.प्रतिभा यादव ने टॉप किया। निबन्ध प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में ओपस इण्टरनेशनल स्कूल की कु.शुक्तिका सिंह,वर्धमान पब्लिक स्कूल की कु.जिया प्रजापति,ज्येष्ठ वर्ग में दिव्यांश इंस्टिट्यूट के अजित पाल एवं वरिष्ठ वर्ग में गुरुनानक इण्टर कॉलेज की कु.सौम्या गोयल टॉपर रहीं। प्रथम द्वितीय व तृतीय के साथ–साथ प्रत्येक वर्ग से पांच–पांच प्रशंसित बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया।

इन 49 बच्चों को मुख्य अतिथि पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव, अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि राजपति ओझा, सुभाष वर्मा, अमरनाथ तिवारी, साहित्यकार केदारनाथ सविता, प्रमोद गुप्ता, सारिका चौरसिया, नंदिनी वर्मा, जय कुमार, आनंद केसरी, शंकर राय ने अपने कर कमलों से मंच पर मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में सीताराम, मेवालाल, मिलन, रमेश प्रजापति, राकेश शुक्ल, स्कूलों के प्रधानाचार्य और अनेक अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में आनंद अमित ने सभी का धन्यवाद प्रकट किया।

जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न।

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन मे अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ रीना श्रीवास्तव रहीं। यह काव्य गोष्ठी सायं 4 बजे से 5 .30 बजे तक चली

जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान के द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ मधु पाठक द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ रीना श्रीवास्तव नेम्मेरा वजूदष, डॉ पूनम श्रीवास्तव ने ष्अदरकष, डॉ सुमन सिंह ने ष्खामोशीष, डॉ नीलू सिंह ने ष्पहिलै प्रकृतिष, चेतना प्रकाश चितेरी ने ष्प्रतीक्षाष, डॉ मधु पाठक ने ष्पुस्तकष रचना पढ़ी। अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा महिला रचनाकारों ने आयोजन में चार चांद लगा दिया। धन्यवाद ज्ञापन चेतना प्रकाश चितेरी ने किया।

रामगढ़ धाम में प्रबन्ध समिति की बैठक संपन्न

■ 8 वें रामगढ़ महोत्सव व प्राचीन पूषी तेरस मेला का भव्य आयोजन 27 से 29 दिसंबर तक

प्रतिदिन होगा श्री राम कथा व शिव शक्ति रुद्र महायज्ञ

जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से होंगे विविध आयोजन

कुंभ की प्रासंगिकता और जन भागीदारी होगा केंद्रीय विषय

चलो महाकुंभ चले का होगा आवाहन

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र के शंकरगढ़ ब्लाक के सोनवर्षा ग्राम में स्थित अति प्राचीन रामगढ़ धाम में रामगढ़ धाम पर्यटन विकास ट्रस्ट के प्रबन्धन समिति की बैठक संपन्न हुई। तय हुआ की गत वर्षो की भाँति इस वर्ष भी 8 वें रामगढ़ महोत्सव व प्राचीन पूषी तेरस मेला का भव्य आयोजन 27 से 29 दिसंबर तक किया जायेगा। जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से विविध धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजन होंगे। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के संस्थापक महासचिव व महोत्सव के संयोजक सचिन सिंह ने बताया की धाम के पुनरोद्धारक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर की प्रेरणा से 2017 से निरंतर धाम व क्षेत्र का विकास इस महोत्सव के आयोजन व जन भागीदारी से हो रहा है। जन प्रतिनिधियों व सरकार का भी सराहनीय योगदान है जिससे धाम का निरंतर विकास कार्य जारी है। महोत्सव में कुंभ मेले के दृष्टिगत चलो महाकुंभ चलें का जन आवाहन किया जायेगा और समय समय पर कुंभ की महत्ता पर चर्चा होगी। महोत्सव के संदर्भ में हुई बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष इंद्र भान सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में मार्गदर्शक समाज शेखर जी ने उपस्थित होकर सभी का मार्गदर्शन किया। प्रसिद्ध जन कवि प्रकाश जी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहे। बैठक में तय हुआ की सदस्यों के सदस्यता शुल्क को एकत्र कर सामूहिक भागीदारी से आवश्यक व्यवस्थाएँ होंगी। प्रतिदिन होगा श्री राम कथा व शिव शक्ति रुद्र महायज्ञ का आयोजन अपराह्न 3 बजे से 6 बजे तक कथा व्यास अलोपी ओझा जी महाराज व यज्ञाचार्य आचार्य श्याम दास जी महाराज के संरक्षण में आयोजित होगा। 27 दिसंबर को सुबह १० बजे से भव्य शिवाभिषेक करके महोत्सव का विधिवत शुभारंभ होगा। स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमे भजन गायक अभिषेक हरिहर दुबे व आचार्य धीरेंद्र शास्त्री जी का विशेष कार्यक्रम होगा। 28 दिसंबर को किसान महासंघ द्वारा किसान सम्मेलन व विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रसिद्ध लोक गायिका प्रतिमा मिश्रा व साथियों द्वारा व कुंभ की प्रासंगिकता और जन भागीदारी पर संगोष्ठी आयोजित होगी। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बारा वाचस्पति जी होंगे। 29 दिसंबर को रामगढ़ धाम के विकास में समाज की भूमिका विषयक परिचर्चा होगी। मुख्य अतिथि सांसद उज्जवल रमन जी होंगे। साथ ही प्रसिद्ध लोककवि ठाकुर इलाहाबादी के संयोजन में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र व लोक संस्कृति कला संस्थान के कार्यक्रम होंगे। प्रतिदिन धाम स्थित बावली व शिवलिंग की विशेष आरती होगी। बैठक में सभी ने जिला प्रशासन व पुलिस विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों से अपेक्षा की है की अति प्राचीन इस स्थल व मेले के समुचित प्रबन्धन व सुव्यवस्था में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। तय हुआ की समिति की ओर से महासचिव सचिन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर जिलाधिकारी व पुलिस आयुक्त को पत्र भेजकर अनुरोध किया जाए। बैठक में प्रमुख रूप से महंत नंद लाल जी महाराज,उपाध्यक्ष छेदी लाल, सचिव पुष्पराज सिंह, उप सचिव सालिक राम, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, कार्य समिति सदस्यों में हंसराज सिंह, फूल सिंह पटेल, डॉ रवेंद्र सिंह, शिव सिंह, प्रदीप वर्मा, गोबिंद सिंह, रमेश महाजन, सूरज सिंह, सुधाकर सिंह ,अवधराज सिंह, शिव शंकर सिंह व सचिन सिंह आदि शामिल रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत .मण्डौर. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक/ मेमो/ मनरेगा /टैंडर नोटिस /2024-2025 दिनांक- 16-12-2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

मनरेगा योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मो/सप्लायरो से दिनांक. 24-12-2024 को अपरान्ह.. 01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदाये आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह.. 03..बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 17-12-2024 से 24-12-2024 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है।

क्रं० सं०	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	मात्रा	प्राकलन की धनराशि लाख रु० में	प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में	निविदा मूल्य रु० में
01.	ग्राम पंचायत मण्डौर में जूनियर विद्यालय से होलइन तक इंटरलाकिंग खड़ंजा निर्माण कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	4.80 लाख	2%	500

निविदा शर्ते-

नोट- निविदा से समबन्धित शर्ते ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है
समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी — ग्राम पंचायत
सचिव मण्डौर — प्रधान मण्डौर

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा (आवेदन) नोटिस सं: सीएम-1/एटीवीएम/फैसीलिटेटर/महाकुम्भ मेला/पार्ट-II/प्रयागराज/2025
दिनांक: 16.12.2024

तृतीय शुद्धि पत्र

कार्य का विवरण:- प्रयागराज जं. (संगम एरिया सहित), सूबेदारगंज, नैनी एवं प्रयागराज-छिवकी स्टेशनों पर महाकुम्भ मेला 2025 हेतु लगायी जाने वाली अतिरिक्त ATVM के संचालन हेतु Facilitator की नियुक्ति के संबंध में।

पूर्व प्रकाशित

निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 16.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 16.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा खोलने की संशोधित तिथि
निविदा (आवेदन) फार्म बिकने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 11.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म डालने की तिथि एवं समय: समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 26.12.2024 को 13.00 बजे तक।
निविदा (आवेदन) फार्म खुलने की तिथि एवं समय: दिनांक 26.12.2024 को 15.00 बजे।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं.
1800 4199 139
1827/24(A)
North central railways | @CPRONCR

गुमशुदगी सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लॉट सं. BG 1 -265 जिसका क्षेत्र 150 वर्ग मी. कलिंदीपुरम आवास योजना, सेक्टर गोवर्धन, प्रयागराज का मूल आवंटन पत्र दि. 18/07/1992 , परिवर्तित आवंटन पत्र 30/12/1993 के उपरांत पुनः संशोधित आवंटन पत्र दि. 18/08/1998 तथा मूल कब्जा पत्र दिनांकित 08/08/2002 नाम गोपाल जी मालवीय पुत्र गणेश लाल मालवीय के दस्तावेज वास्तव मे खोने (गुमशुदगी) के संबंध मे ।

अभिषेक जयवाल पुत्र स्व. विशम्भर नाथ जायसवाल
पता- 1/265 कलिंदीपुरम गोवर्धन स्कीम , प्रयागराज
मो नं. 6392207722

सम्पादकीय.....

चुनावी राजनीति में सॉफ्ट टारगेट क्यों बनती जा रही हैं महिलाएं ?

भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे–कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है। राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक–दो क़िस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है। हाल ही में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही किया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है। लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं। भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। चुनावी शोर, चुनावी वादें और चुनावी जीत की गहमा–गहमी के बीच असली मुद्दे कहीं गौण होते नजर आ रहे हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर इस तरह की योजनाएं चुनाव के पहले ही क्यों शुरू की जाती है ? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या 1000, 1500, 2100 या 3000 रुपए की राशि से सभी समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाता है। वास्तव में एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी निहित होती है लेकिन विडंबना देखिए कि सरकारों ने इन मुद्दों पर स्थायी काम करने की बजाय कामचलाऊ हल ढूंढ लिया है। सरकार और देश के राजनीतिक दल, लोगों को फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी देने से बचने के लिए बाकी हर चीज मुफ्त में देने को तैयार है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि महिला मतदाताओं को ही आगे बढ़कर, नेताओं से यह सवाल पूछना चाहिए कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों की हालत इतनी खराब क्यों हैं ? प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों की फीस बेतहाशा क्यों बढ़ती जा रही है ? जिस देश में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों की कमी है, उस देश में एमबीबीएस की पढ़ाई का खर्च सालाना एक करोड़ रुपए से भी ज्यादा कैसे हो गया है ? सरकारी अस्पताल में समय पर उचित और फ्री इलाज क्यों नहीं मिल पा रहा है ? नौकरी तक का फॉर्म भरने के लिए बेरोजगार बच्चों से सैकड़ों–हजारों रुपए क्यों लिए जा रहे हैं ? क्योंकि अगर आप जोड़ कर देखेंगी तो ये सभी खर्च मिलाकर आपको महिला सम्मान या लाडली बहना योजना के नाम पर मिलने वाली राशि से कई हजार गुना ज्यादा बैठ जाएगी।

एक चुनाव को लेकर विरोधाभास क्यो?

प्रेम शर्मा

अब एक देश एक चुनाव पर अमल की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। विपक्षी पार्टियां अभी भी इसके खिलाफ हैं। एक चुनाव को लेकर विपक्ष और सत्तापक्ष में काफी विरोधाभास है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। ये विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग–अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग–अलग समय पर पूरा होता है। उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। लेकिन अभी भी कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वैसे मूल रूप से पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का विचार बुरा नहीं है। चाहे अलग–अलग चुनावों पर होने वाले खर्च की बात हो या सरकार के कामकाज में इसकी वजह से होने वाली दिक्कतों की या देश के राजनीतिक माहौल में बनने वाले तनाव की– हर तरह से यह बात सुविधाजनक लगती है कि पांच साल में एक ही बार पूरे देश के चुनाव करा लिए जाएं ताकि बाकी समय सारी सरकारें विकास कार्यों पर फोकस कर सकें। अब एक देश एक चुनाव पर अमल की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। विपक्षी पार्टियां अभी भी इसके खिलाफ हैं। एक चुनाव को लेकर विपक्ष और सत्तापक्ष में काफी विरोधाभास है। लेकिन सत्ता पक्ष इसे अमल में लाने पर अडिग है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि संसद में इस पर किस तरह की रस्साकशी होती है। एक साथ चुनाव पर फैसला करते हुए क्षेत्रीय दलों के तर्क को भी दरकिनार नहीं किया जा सकता। उनकी इस बात में दम है कि एक साथ चुनाव कराने से मतदाताओं के मन पर राष्ट्रीय मसले हावी हो सकते हैं। बहरहाल, यह बिल अभी संसद में पेश किया जाना है। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि वहां इसके सभी पहलुओं पर बारीकी से विचार–विमर्श होगा और फिर सभी पक्षों के हितों व तर्कों को ध्यान में रखते हुए ही कोई अंतिम फैसला लिया जाएगा।इसके साथ ही व्यवहार का पहलू भी जुड़ा है। लोकतंत्र एक जीवंत भाव है और यह सिर्फ स्थिरता में नहीं बल्कि अस्थिरता में भी खिलता है। ध्यान रहे, शुरुआती डेढ़ दशक तक देश में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होते रहे। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सामान्य उतार–चढ़ावों के क्रम में ये अलग–अलग होने लगे। अगर एक साथ चुनाव शुरू कराने के बाद फिर से अविश्वास प्रस्ताव या खंडित जनादेश के चलते यह क्रम बिगड़ता है तो उसे बनावटी ढंग से एक साथ बनाए रखना लोकतांत्रिक सहजता के लिहाज से कितना उचित होगा, इस पर भी विचार करना जरूरी है।सुविधा के इस तर्क से आगे बढ़ने पर लोकतांत्रिक चेतना का सवाल आता है। किसी भी लोकतंत्र में चुनावों को सिर्फ सुविधा और खर्च के नजरिए से नहीं देखा जा सकता। लोकतंत्र चुनाव में वोट देने की प्रक्रिया तक सीमित रहने वाली चीज नहीं है। असल बात समाज की लोकतांत्रिक चेतना है। उसका मजबूत बने रहना और समय–समय पर शांतिपूर्ण तरीकों से व्यक्त होते रहना जरूरी है। देश के अलग–अलग हिस्सों में समय–समय पर चुनाव होते रहें तो इस चेतना को निरंतरता मिलती है जो इसकी मजबूती को बनाए रखने में सहायक होती है। वैसे दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां पर सारे चुनाव एक साथ ही कराए जाते हैं। साउथ अफ्रीका में संसद, प्रांतीय विधानसभा और नगर पालिकाओं के चुनाव एक साथ होते है।बेल्जियम में पांच तरह के चुनाव होते हैं. ये हर पांच साल के अंतर पर होते हैं. और सारे चुनाव साथ कराए जाते हैं।यूके में हाउस ऑफ कॉमन्स, स्थानीय चुनाव और मेयर चुनाव साथ में होते हैं। यहां पर मई के पहले हफ्ते में सारे चुनाव कराए जाते हैं। यूके के संविधान के तहत, समय से पहले चुनाव तभी हो सकते हैं जब सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास हो जाए और कोई दूसरी पार्टी सरकार न बना सके।इंडोनेशिया में राष्ट्रपति और लेजिस्लेटिव इलेक्शन साथ में होते हैं। इनके अलावा जर्मनी, फिलिपींस, ब्राजील, बोलीविया, कोलंबिया, कोस्टा रिका, ग्वाटेमाला, गुआना, होंडुरस जैसे देशों में भी एक साथ ही सारे चुनाव होते हैं।आज भले ही देश में लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक–साथ नहीं होते हों, लेकिन एक समय ऐसा होता था। आजादी के बाद देश में पहली बार 1951–52 में लोकसभा चुनाव हुए. उस समय लोकसभा के साथ–साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव भी कराए गए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही करवाए गए. लेकिन 1968 और 1969 में कई राज्यों में समय से पहले विधानसभाएं भंग हो गई. 1970 में लोकसभा भी भंग कर दी गई. इस तरह से साथ चुनाव कराए जाने का ये सिलसिला टूट गया। बहरहाल एक देश एक चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों के अलग–अलग विचार हैं। इसीलिए इस पर एक राय नहीं बन पा रही है। छोटे राजनीतिक दलों का मानना है कि ऐसे चुनाव से राष्ट्रीय दलों को तो फायदा होगा। राष्ट्रीय मुद्दों के सामने राज्य स्तर के मुद्दे दब जाएंगे। दसूरे तरफ यह कहा जा रहा है कि एक चुनाव का सबसे बड़ा फायदा यह है कि चुनाव का खर्च घट जाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद्: कल आज और कल

तनवीर जाफरी

इलाहबाद कभी न केवल कांग्रेस बल्कि समाजवादी व आर एस एस व विश्व हिन्दू परिषद् के भी वरिष्ठ व राष्ट्रीय स्तर के नेताओं का गढ़ हुआ करता था। नेहरू–गाँधी परिवार की तो यह कर्मस्थली थी ही इसके अतिरिक्त पुरषोत्तम दस टंडन,मदन मोहन मालवीय जैसी अनेक विभूतियाँ भी इसी शहर से सम्बद्ध रहीं। इसी तरह दक्षिणपंथी विचारधारा के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख रहे राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जु भैय्या का नाम भी इलाहाबाद से ही जुड़ा हुआ है। ऐसा ही एक नाम था जस्टिस शिव नाथ काटजू का जोकि 1980 के दशक में विहिप के अध्यक्ष भी चुने गये थे। जस्टिस काटजू ने अयोध्या में विवादित बाबरी मस्जिद की जगह पर राम मंदिर के निर्माण के लिए शुरुआती अभियान चलाया था। और इसी दौरान उन्हें नजरबंद भी कर दिया गया था। चूँकि मेरी भी औपचारिक शिक्षा इलाहाबाद में ही हुई इसलिये उस दौर के अनेक विशिष्ट जनों के साथ संबंध रखने का भी सौभाग्य मिला। जस्टिस काटजू भी उन्हीं में एक थे जिनके पास अक्सर मेरा आना जाना रहता था। जस्टिस काटजू विहिप के अध्यक्ष तो जरूर थे परन्तु वे पूर्णतयः धर्मनिर्पेक्ष थे। इस्लामी इतिहास का भी उन्हें जबरदस्त ज्ञान था। शिया –सुन्नी विवाद और करबला की घटना जैसे विषयों पर तो वे अक्सर मेरे साथ बातें किया करते और मेरा ज्ञान वर्धन किया करते थे। बात 1977–78 की है उस दौरान मैं इलाहबाद के मुहल्ला दरियाबाद के इमामबाड़ा सलवात अली खान नामक एक ट्रस्ट से परिवारिक रूप से जुड़ा हुआ था। यहाँ अनेक धार्मिक आयोजन हुआ करते हैं। इन्हीं में एक चालीसवें का जुलूस (मुहर्रम के चालीस दिन बाद) भी इसी इमामबाड़े से निकला जाता है। इसी जगह से निकलने वाले चालीसवें के जुलूस का प्रारंभिक संबोधन करने के लिये जब मैंने जस्टिस काटजू से निवेदन किया तो वे खुशी खुशी तैयार हो गये। हालांकि उन्होंने अयोध्या में मंदिर के निर्माण के लिए शुरू हुये विहिप आंदोलन तथा दरियाबाद की घनी मुस्लिम आबादी को भी रेखांकित किया। परन्तु मेरे संपूर्ण सुरक्षा व शांतिपूर्ण आयोजन के आश्वासन के बाद वे कार्यक्रम से पूर्व स्वयं अपनी एम्बेसडर कार चलाकर बिल्कुल अकेले ही दरियाबाद पधारे। यहाँ दरियाबाद चौराहे पर मौजूद मेरे साथियों ने उनका स्वागत किया व पूरे सम्मान के साथ उन्हें इमामबाड़ा सलवात अली खान लेकर गये। यहाँ मौजूद समूह के बीच जस्टिस काटजू ने कर्बला की घटना का जिक्र करते हुये न केवल अपनी तरफ से बल्कि विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष होने की हैसियत से विहिप की तरफ से भी हजरत इमाम हुसैन व करबला के शहीदों को बड़े ही भावपूर्ण शब्दों में श्रद्धांजलि अर्पित की। शेरवानी,टोपी और चूड़ीदार पैजामा जैसा परिधान प्रायः धारण करने वाले काटजू साहब सभी धर्मों का पूरा ज्ञान रखते थे तथा उन्हें सम्मान भी देते थे। वे विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष होने के बावजूद सभी धर्मों में परस्पर मेल जोल व सद्भाव के पक्षधर थे। उन्हें उर्दू आरबी फारसी का भी पूरा ज्ञान था। यह था उस दौर के विश्व हिंदू परिषद का वह चेहरा जिससे भारत का गैर हिन्दू समाज कभी भयभीत नहीं होता था। उसके बाद जबसे गुजरात को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रयोगशाला कहा जाने लगा तब से इसी विश्व हिंदू परिषद ने खुलकर इस्लाम व अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी आक्रामकता दिखानी शुरू कर दी। इसी विश्व हिंदू परिषद में बजरंग दल नामक एक और संगठन तैयार हो गया जो समय समय पर आक्रामक होते नजर आया। आज पूरे देश में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल पर अनेक आपराधिक मुकददमे चल रहे हैं। इसी विश्व हिंदू परिषद ने योजनाबद्ध तरीके से गुजरात से शुरू कर कॉरोनकाल के दौरान देश के कई राज्यों में मुस्लिम दुकानदारों के प्रति नफरत फैलाकर उनसे सब्जी फल व अन्य सामान खरीदने के लिये हिन्दू समाज के लोगों को मना किया। सीधे शब्दों में मुस्लिमों का व्यवसायिक बहिष्कार करने की कोशिश की गयी। इसी विहिप ने बेटी बचाओ बहू लाओ नामक एक अभियान भी चलाया जिसके अंतर्गत किसी हिन्दू लड़की के मुस्लिम लड़के से प्रेम संबंध होने की स्थिति में उस रिश्ते में दखल देना तथा वह अंतर्धार्मिक सम्बन्धा परवान न चढ़ने देना है। जबकि साथ ही हिन्दू लड़कों को इस बात के लिये आमादा करना है कि वे मुस्लिम लड़कियों से दोस्ती कर उनको बहू बनाकर लाएं। गुजरात सहित और भी कई राज्यों से ऐसी खबरें भी आती रही हैं जबकि विहिप के लोगों ने किसी मुस्लिम को किराये पर मकान देने का विरोध किया तो कभी खरीदे हुये फ्लैट में भी कब्जा लेने व उनके रहने का विरोध किया। कई जगहों पर विश्व हिंदू परिषद के लोग मुस्लिमों की मॉब लिंचिंग करने वालों का साथ देते यहाँ तक कि उनके समर्थन में सड़कों पर उतरते,उग्र होते व हत्यारों को सम्मानित करते नजर आये। आज का विश्व हिंदू परिषद तो पूरी तरह से अपने उन बुनियादी सिद्धांतों से दूर होता नजर आ रहा है जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवाद पर आधारित इस भारतीय दक्षिणपंथी हिंदू संगठन की स्थापना 1964 में की गयी थी। उस समय इसका घोषित उद्देश्य षहिंदू समाज को संगठित व मजबूत करना और हिंदू धर्म की सेवा और सुरक्षा करना था न कि किसी अन्य धर्म के विरुद्ध आक्रामक होना या भारतीय लोगों में अफवाहबाजी के द्वारा नफरत हिंसा व विद्वेष भड़काना और किसी भारतीय नागरिक को दूसरे दर्जे का नागरिक समझना। न ही किसी की मस्जिद मजार गिराना व अन्य धर्मों की ध्वजा उतारकर अपनी धर्मध्वजा लहराना। न ही इस तरह के अभियान चलाना। परन्तु इससे भी आगे बढ़कर आज का विश्व हिन्दू परिषद तो गोया संविधान विरोधी संवाद को भी हवा देने वाला एक मंच बन चुका है। इनदिनों इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव द्वारा दिया गया एक श्असंवैधानिक भाषण श जो कि गत 8 दिसम्बर को इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में वीएचपी के विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया गया था वह न केवल चर्चा में है बल्कि उसी भाषण को लेकर जस्टिस शेखर यादव के विरुद्ध महाभियोग चलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। वीएचपी के लीगल सेल के इसी आयोजन में जस्टिस शेखर यादव ने श्समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता विषय पर बोलते हुए कहा था कि देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? उन्होंने इसी मंच पर यह भी कहा कि षहिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार ही देश चलेगा, यही कघनून है। आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कघनून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। जस्टिस यादव के इस बयान के फौरन बाद ही कई नेताओं, वकीलों,पूर्व न्यायाधीशों व बुद्धिजीवियों द्वारा उनके इस बयान की निंदा की गयी उसे असंवैधानिक बताया गया और आखिरकार मामला महाभियोग तक आ पहुंचा। उनके विरुद्ध राज्यसभा के 55 सांसदों ने महाभियोग का प्रस्ताव लाने के लिये राज्य सभा में नोटिस दे दिया। यह भी सवाल उठने लगा कि एक वर्तमान न्यायाधीश का ऐसे कार्यक्रम में शामिल होना उचित भी है अथवा नहीं ?सवाल यह है कि आजका विश्व हिन्दू परिषद् जब संविधान विरोधी वक्तव्यों को अपने मंच से बढ़ावा दे रहा है,धर्म विशेष के विरोध में ही स्वयं को पनपते देख रहा है, हिंदू समाज को संगठित करने उसे मजबूत करने व हिंदू धर्म की सेवा व सुरक्षा के बहाने समाज में नफरत व हिंसा को बढ़ावा देते देते अब संविधान विरोधी विचारों को भी मंच प्रदान कर रहा है, आने वाले कल में वही विश्व हिन्दू परिषद् शिव नाथ काटजू जैसे परिषद् के पूर्व नेताओं के विचारों व उनके स्वभाव व आचरण से कितनी दूर जायेगा और देश को किस स्थिति में ले जायेगा इसका अंदाजा लगाने के लिये किसी और की बातें सुनने की जरुरत नहीं बल्कि खुद शिव नाथ काटजू के होनहार पुत्र व पूर्व जस्टिस मारकंडे काटजू के संघ सम्बन्धी विचारों को सुनकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

ईश्वर के आशीर्वाद से प्राप्त जीवन से विश्व को सकारात्मक संदेश प्रदान करें

संजीव ठाकुर

सिर्फ मानव प्रजाति में सोचने समझने और मुस्कुराने की शक्ति होती है। मनुष्य की सर्व चेतनाओं से परिपूर्ण होता है। पत्थरों में चेतना शून्य होती है, पेड़ पौधों में पल्लवित पुष्पित होती है, पशु पक्षियों में चलायमान होती है और मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जिसमें मानव मस्तिष्क चिंतन मनन कर किसी समस्या का समाधान निकालता हैंस यह सर्वविदित है कि मनुष्य का जीवन विभिन्न सामाजिक मानसिक संघर्षों का केंद्र होता हैस मनुष्य ने सदैव मानसिक शारीरिक शक्ति और दृढ़ संकल्प के बलबूते पर हर समस्या पर समय–समय पर विजय प्राप्त की है, और अपने लक्ष्य को बड़ी दृढ़ता के साथ प्राप्त किया हैस मनुष्य के जीवन में जब उत्साह, ऊर्जा एवं अपनी क्षमताओं के उपयोग करने का पूर्ण रूप से आत्मविश्वास होता है तो वह परिस्थितियों का सामना बखूबी कर अपने जीवन को सुचारू रूप से संचालित करता हैस एक मानव प्रजाति ही ऐसी प्रजाति है जिसकी संकल्प शक्ति इतनी ऊर्जावान एवं महत्वपूर्ण होती है कि वह प्रगति की विविधताओं, विषमताओं एवं अपार शक्ति को भी आसानी से नियंत्रित कर लेता है एवं उसका स्वयं के लिए समाज के लिए देश के लिए सकारात्मक उपयोग करने में भी सक्षम होता हैस जीवन में मनुष्य को सदैव अपने आप को व्यस्त रख कार्यशील रहना चाहिए, क्योंकि व्यस्त व्यक्ति ही किसी कार्य को उसकी परिणति तक पहुंचा सकता है ,खाली दिमाग सदैव शैतान का होता है एवं उसमें नकारात्मक विचार प्रवेश कर मन को मायूस कर देते हैंस आपका मन या मनोबल या संकल्प ही जब एकाग्र चित्त ऊर्जावान तथा शक्तिशाली होगा तो आपके सामने की कितना भी क्लिष्ट व कठिन लक्ष्य हो उसमें आप सफलता अवश्य पा सकेंगे। इसलिए मनुष्य को सदैव कर्मरत रहना चाहिए ।इसका यह भी अभिप्राय है कि मनुष्य को अपने आपको सदैव स्वस्थ्य एवं व्यस्त रखना चाहिएस मन में दृढ़ संकल्प रखकर हमारी दुनिया में लोगों ने ऐसे असंभव कठिन तथा दुरूह कार्यों को अपनी जड़ मानसिक शक्ति से संभव कर दिखाया है जिसकी हम कतई कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की विपन्न स्थिति एवं आर्थिक कमी के बावजूद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता ,उच्च संकल्प शक्ति और संगठन क्षमता के दम पर भारत देश को आजाद कराया ।इसमें निसंदेह महात्मा गांधी, सरोजनी नायडू, सरदार वल्लभ भाई पटेल,जवाहरलाल नेहरू, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और न जाने कितने उदाहरण हैं जिन्होंने अपनी मानसिक शारीरिक शक्ति तथा ऊर्जा के दमखम पर देश को अंग्रेजों के चंगुल से निकाल कर आजादी की हवा की सांस लेने का देशवासियों को मौका दिया है।हम उनका नमन करते हैं उन्हें श्रद्धांजलि भी देते हैं और उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं संकल्प को आदर्श के रूप में लेकर अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी करेंगे। दुनिया में अपनी मानसिक शक्ति और संकल्प से अनेक असंभव कार्य को सफलतापूर्वक संचालित संपादित करते हुए अनेक उदाहरण मिलेंगे जो वाकई में इस दुनिया के और हम सबके आदर्श महान लोग हैं। व्यक्ति यदि सादगी, ईमानदारी और निरंतरता के साथ किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक संपादित करने का सार्थक एवं सर्वोच्च प्रयत्न करता है, तो निसंदेह सफलता उनके कदम चूमती है और वे व्यक्तियों के लिए, समाज के लिए तथा देश के लिए आदर्श पुरुष होते हैं। कोई भी महान या आदर्श व्यक्ति आसमान से अचानक नहीं आता है वह इसी धरती में पैदा हुआ सामान्य मनुष्य ही है जिसने अपने संघर्ष, इच्छा शक्ति, अदम्य साहस ,संयम और संतुलन से अपने हर लक्ष्य को प्राप्त कर अपने आपको समाज से अलग कर एक आदर्श रूप में प्रस्तुत किया है। मनुष्य का हृदय या मन अनंत ऊर्जा और शक्ति का बहुत बड़ा स्रोत होता है। किसी भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मस्तिष्क मदद करता है फिर चिंतन करता है और कार्य योजना सुनियोजित कर, अन थक परिश्रम कर उस दुरूह लक्ष्य को प्राप्त करता है। आपका मन यदि हताश या निराश है तो आप किसी लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर सकते हैं। इसीलिए मन को सदैव प्रफुल्लित उत्साहित एवं सकारात्मक सोच के साथ ताजा रखें,जिससे आने वाली परिस्थितियों का सामना कर एक नए युग का सूत्रपात कर सकते हैं। जीवन में दूसरे व्यक्तियों से पिछड़ने के कई कारण भी हो सकते हैं जिनमें से अपनी क्षमता तथा मानसिक शक्ति पर अविश्वास करना भी एक बड़ा कारण है, इसके साथ ही किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सुनियोजित योजना,अपनी क्षमताओं का आकलन एवं कार्य के साथ कठोर श्रम भी अत्यंत आवश्यक सफलता के स्तंभ हैं, अति संपन्नता के बावजूद मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति को असफलता का स्वाद चखना पड़ता है। इसीलिए जीवन में सफलता के लिए मानसिक स्थिति में दृढ़ता, कठोर संकल्प,एवं निरंतर श्रम अत्यंत आवश्यक तत्व हैं। अपने जीवन को सफल बनाने एवं श्रेष्ठ जीवन की निर्मात्रि आपकी इच्छा शक्ति ऊर्जा और मानसिक संतुलन ही है। यदि मानसिक संतुलन में हताशा आई तो परिणाम ऋणआत्मक भी हो सकते हैं,और यही कारण है कि चिंतकों दार्शनिकों और महान अध्यापकों ने कहा है कि मन को सदैव ऊर्जावान और सकारात्मक सोच से परिपूर्ण रख लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

पुष्पा 2 का शानदार प्रदर्शन, सिनेमा के इतिहास में दर्ज हुआ एक और रिकॉर्ड

फिल्म पुष्पा 2– द रूल ने न सिर्फ भारत में बल्कि उत्तर अमेरिका में भी बड़ी धूम मचाई है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना, फहाद फासिल और जगपति बाबू मुख्य भूमिका में हैं। सुकुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है और कई रिकॉर्ड्स तोड़े हैं। अब यह भारतीय सिनेमा की तीसरी सबसे बड़ी हिट बन गई है। पुष्पा 2 ने अब तक करीब 1200 करोड़ रुपये की कमाई की है, जिससे यह भारतीय सिनेमा की तीसरी सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई है। पहले स्थान पर आमिर खान की दंगल है, जिसने 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। दूसरे स्थान पर प्रभास की बाहुबली 2 है, जिसने 1400 करोड़ रुपये की कमाई की। पुष्पा 2 ने अब आरआरआर की कमाई को पार कर लिया है, जो 944 करोड़ रुपये थी। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के हिंदी वर्जन ने भी शानदार कमाई की है और हिंदी बाजार में 500 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है। इसके अलावा, पुष्पा 2 ने नॉर्थ अमेरिका (संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा) में भी शानदार प्रदर्शन किया है। इसने भारतीय सिनेमा के टॉप 10 हिट्स में अपनी जगह बना ली है। कुछ दिन पहले, पुष्पा 2 ने अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर 10 मिलियन डॉलर (लगभग 84 करोड़ रुपये) की कमाई की और यह दसवें नंबर पर पहुंच गई। इसने रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया। शनिवार तक, फिल्म ने दो और स्थानों की छलांग लगाई और पद्मावत को पीछे छोड़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गई। फिल्म की कुल कमाई अब 12.27 मिलियन डॉलर (करीब 104 करोड़ रुपये) हो चुकी है, जबकि पद्मावत ने 12.15 मिलियन डॉलर (103 करोड़ रुपये) कमाए थे। फिल्म के नौवें दिन की कमाई 652 हजार डॉलर (5.52 करोड़ रुपये) रही, जो इसके अच्छे प्रदर्शन को दर्शाता है। हालांकि, फिल्म का ब्रेकइवन पॉइंट (जिसे फिल्म को मुनाफे में आने के लिए निर्धारित किया गया है) 15 मिलियन डॉलर पर है, और अब इसका सफर चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। हाल के दिनों में फिल्म की कमाई में गिरावट आई है, और यह केवल हिंदी वर्जन के कारण अच्छा कारोबार कर पा रही है। ऐसी खबरें भी आ रही हैं कि फिल्म के हिंदी संस्करण के टिकटों की कीमतें जल्द ही घटाई जा सकती हैं, ताकि और भी लोग इसे सिनेमाघरों में देख सकें।

> “ सुकुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है और कई रिकॉर्ड्स तोड़े हैं। अब यह भारतीय सिनेमा की तीसरी सबसे बड़ी हिट बन गई है। पुष्पा २ ने अब तक करीब १२०० करोड़ रुपये की कमाई की है, जिससे यह भारतीय सिनेमा की तीसरी सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई है। पहले स्थान पर आमिर खान की दंगल है, जिसने २००० करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी पर सोनू सूद ने दी प्रतिक्रिया, कहा–उतार–चढ़ाव स्टार्स की जिंदगी का हिस्सा होते

पुष्पा 2 स्टार अल्लू अर्जुन इस वक्त पूरे देश में चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनकी गिरफ्तारी और एक रात जेल में बिताने के बाद उनके फैंस आक्रोश में आ गए और उनके लिए अपनी आवाज उठाई। वहीं, फिल्मी सितारों का भी पुष्पा एक्टर को खूब समर्थन मिला। इसी बीच अल्लू के रिहा होने के एक दिन बाद हाल ही में एक्टर सोनू सूद ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अल्लू अर्जुन को गिरफ्तारी के बाद शनिवार को जेल से रिहा किया गया। इसके बाद राणा दग्गुबाती और नागा चौतन्य जैसे कई स्टार्स उन्हें घर पर मिलने पहुंचे। इस पूरे मामले पर सोनू सूद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह एक एक्टर की जर्नी का हिस्सा है। उतार–चढ़ाव इस यात्रा का हिस्सा होते हैं। मुझे लगता है कि अब यह मुद्दा सुलझ गया है और जैसा कि कहावत है, अंत भला तो सब भला। सोनू ने यह भी कहा कि उन्होंने अल्लू अर्जुन के साथ पहले भी काम किया है और उन्हें अच्छे से जानते हैं। दरअसल, 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 द रूल की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और उनका 8 साल का बेटा घायल हो गया। इसके बाद अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया गया था। उन्हें कोर्ट में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था, लेकिन जल्द ही उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई। हालांकि, कागजात में देरी के कारण उन्हें एक रात जेल में बितानी पड़ी।

अल्लू अर्जुन को जेल में मिली वीवीआईपी सुविधाएं? अधिकारियों ने किया खुलासा

तेलंगाना के चंचलगुड़ा सेंट्रल जेल में कुछ घंटे बिताने के बाद, फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन को शनिवार को तेलंगाना हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई। उन्हें फिल्म पुष्पा 2 के प्रीमियर के दौरान हैदराबाद में हुई भगदड़ के बाद एक महिला की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया था। इस घटना के बाद अल्लू अर्जुन, उनके सुरक्षा कर्मियों और थियेटर प्रबंधन के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। अल्लू अर्जुन को शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे चंचलगुड़ा सेंट्रल जेल भेजा गया था। जेल में वे अन्य आरोपियों के साथ थे, लेकिन उनकी स्थिति सामान्य बताई गई और उन्होंने किसी विशेष सुविधा की मांग नहीं की। जेल प्रशासन के अनुसार, उन्हें साधारण भोजन दिया गया, जिसमें चावल और सब्जी की करी शामिल थी। जेल में रात का भोजन सामान्य तौर पर 5.30 बजे दिया जाता है, और अल्लू अर्जुन को भी उसी समय खाना दिया गया। अदालत के आदेश पर, अल्लू अर्जुन को एक विशेष वर्ग के कैदी के रूप में पहचाना गया, जिसका मतलब था कि उन्हें कुछ अतिरिक्त आराम दिए गए। जेल में उन्हें एक बिस्तर, टेबल और कुर्सी जैसी सुविधाएं प्रदान की गईं। हालांकि, उनका व्यवहार सामान्य था और वे मानसिक रूप से परेशान या उदास नहीं दिखे। 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में अल्लू अर्जुन के पुष्पा 2 फिल्म के प्रीमियर के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस घटना में 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उनका आठ साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। सैकड़ों लोग फिल्म की स्क्रीनिंग देखने के लिए जमा हुए थे, और भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि यह दुखद घटना घटी। इस हादसे के बाद महिला के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अल्लू अर्जुन, उनके सुरक्षा कर्मियों और थियेटर प्रबंधन के खिलाफ कई ध ाराओं में मामला दर्ज किया गया। हैदराबाद सिटी पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की। इस घटना के बाद फिल्म प्रमोशन के दौरान सुरक्षा की व्यवस्था पर सवाल उठे, और यह मुद्दा चर्चा का विषय बन गया कि ऐसे बड़े आयोजनों में सुरक्षा को और कड़ा क्यों नहीं किया जाता। जेल प्रशासन ने सभी मानक प्रक्रियाओं का पालन किया और अल्लू अर्जुन को विशेष वर्ग के कैदी के रूप में रखा। शनिवार सुबह, तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दी और वे सुबह 6रू20 बजे जेल से रिहा हो गए।

क्या आप जानते हैं जाकिर हुसैन का पहला कॉन्सर्ट अमेरिका में 11 साल की उम्र में हुआ था?

तबला वादक जाकिर हुसैन का रविवार को लंबी बीमारी के बाद अमेरिका के एक अस्पताल में निधन हो गया। कथित तौर पर, पद्म श्री प्राप्तकर्ता इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से पीड़ित थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उस्ताद जाकिर हुसैन का पहला कॉन्सर्ट 11 साल की उम्र में हुआ था, वो भी अमेरिका में, जहाँ उन्होंने अपनी आखिरी साँसें लीं? जी हाँ! उन्होंने अपनी कला को न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में फैलाया। जीवन में प्रसिद्धि पाने के बाद भी, उन्होंने एक साधारण जीवन जीना पसंद किया और जमीन से जुड़े रहे।

11 साल की उम्र में अमेरिका में हुआ था पहला कॉन्सर्ट

जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च, 1951 को मुंबई में हुआ था। वे तबला वादक उस्ताद अल्लाह रक्खा के बेटे हैं। जाकिर को तबला बजाने की प्रतिभा अपने पिता से विरासत में मिली थी। उन्होंने बचपन से ही पूरी लगन के साथ वाद्य बजाना सीखा। उन्होंने महज तीन साल की उम्र में पखावज बजाना सीखा था। यह कला उन्हें उनके पिता ने सिखाई थी। उन्होंने महज 11 साल की उम्र में अमेरिका में अपना पहला संगीत कार्यक्रम दिया था। इसके बाद उन्होंने साल 1973 में अपना पहला एल्बम शलिविंग इन द मैटीरियल वर्ल्डश लॉन्च किया। जाकिर ने बहुत कम उम्र में ही तबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। इसके बाद उन्होंने 11–12 साल की उम्र में तबला बजाने का सफर शुरू कर दिया था। वे अपने संगीत कार्यक्रमों के लिए जगह–जगह जाते थे। अपने तबले को सरस्वती मानकर उसकी रक्षा और पूजा में कोई कसर नहीं छोड़ते थे। एक समय ऐसा भी था जब उस्ताद के पास ट्रेन में बैठने के लिए रिजर्व सीट नहीं थी, तो वे अखबार बिछाकर बैठ जाते थे। तबले को वे अपनी गोद में रखते थे ताकि किसी का पैर या जूता उस पर न लगे।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में महान योगदान

तमाम चुनौतियों को पार करते हुए उन्होंने दुनियाभर के लोगों के दिलों में जगह बनाई। उस्ताद जाकिर हुसैन ने भारतीय शास्त्रीय संगीत के विकास में महान योगदान दिया है। उन्हें 1988 में पद्मश्री और 2002 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके बाद 2009 में उन्हें संगीत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रैमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

बेटी के जन्म के बाद बदल गए हैं वरुण धवन, बेबी जॉन स्टार ने खुद किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने कहा कि एक बेटी का पिता बनना उनके लिए अद्भुत अनुभव रहा। वरुण धवन की पत्नी नताशा दलाल ने इस साल तीन जून को बेटी को जन्म दिया था। उसका नाम लारा रखा गया। अभिनेता ने कहा कि घर में जब से बिटिया ने जन्म लिया तब से उनमें बहुत बदलाव आए हैं। वरुण ने यहां संवाददाताओं से कहा, श्एक बेटी का पिता बनना अनोखा अनुभव है। यह आपको पूरी तरह से बदल देता है। आपको एहसास होता है कि आपकी सोच में कितना बदलाव आ गया है। बचपन में आपकी मां ने जो कुछ भी सिखाया होता है वह सब आपके दिमाग में वापस आने लगता है। जब नताशा ने बच्ची को जन्म दिया तो मेरे मन में सबसे पहला ख्याल यही आया कि मैं अपनी मां के साथ कभी–कभी इतना बुरा बर्ताव कैसे कर सकता हूं। उन्होंने कहा, कोई भी अपनी मां के साथ इतना उद्दंड कैसे हो सकता है, खासकर तब जब वह अपने बच्चे का नौ महीने तक गर्भ में पालन–पोषण करती है... बेटी का पिता बनना एक अद्भुत अनुभव रहा। बेटी होने से आपको जीवन के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिलता है और यह भी पता चलता है कि एक पुरुष होने का क्या मतलब है। अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' का प्रचार करने के लिए दिल्ली आए थे। फिल्म 'बेबी जॉन' एक्शन–ड्रामा पर आधारित है और कलीस ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वरुण ने दिल्ली की यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर शाह के साथ फोटो साझा करते हुए लिखा, श्इनके सामने तो हम सब 'बेबी' हैं। दिल्ली में माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी से मिलकर बहुत खुशी हुई।'

बाजार का केक खाना भूल जाओगे, इस क्रिसमस पर घर पर बनाएं ट्रेडिशनल प्लम केक, नोट करें रेसिपी

क्रिसमस त्योहार की उत्साह सबसे ज्यादा बच्चों को होती है। क्रिसमस पर बड़े भी बच्चे बन जाते हैं, परिवार भी इस दिन को बेहद खास मनाते हैं। क्रिसमस पर लोग अपने घर में मेहमान को बुलाते है इस त्योहार बड़े ही शानदार तरीके से सेलिब्रेट करते हैं। क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए लोग अपने घर पर तरह–तरह के डिशेज को बनाते हैं, इसके साथ ही इस दिन ट्रेडिशनल प्लम केक बनाना भी काफी जरुरी होता है। वैसे तो मार्केट में प्लम केक मिल जाते हैं लेकिन वो काफी महंगे होते हैं। इसलिए आप कम खर्च में स्वादिष्ट प्लम केक बना सकते हैं। आइए आपको ट्रेडिशनल प्लम केक की रेसिपी बताते हैं।

प्लम केक बनाने के लिए सामग्री

– 1 कप बटर
– 1 1/2 कप चीनी
– 6 अंडे
– 125 ग्राम बादाम कटे हुए
– 2 चम्मच वनीला एसेंस
– 2 1/2 मेवे (किशमिश, कैंडीड पील और चौरी)
– 2 कप आटा
– राउट केक टिन

प्लम केक बनाने की रेसिपी

– सबसे पहले आप फ्रूट्स और बादाम को 2 बड़े चम्मच मैदा के साथ मिलाकर एक तरफ रख दें।

– इसके बाद आप मक्खन, चीनी, अंडे और वनीला एसेंस को एकसाथ मैदे में मिलाएं। इसके बाद फ्रूट मिक्सर को मिला दें।

– अब इस मिश्रण को बेकिंग टिन में डालकर प्रीहीट ओवन में 30 मिनट के लिए बेक करें।

– यह लीजिए आपका टेस्टी प्लम केक बनकर तैयार है। आप केक को ठंडा होने के बाद सर्व करें।

हैवी जैकेट को बिना धोए बस 5 मिनट साफ करें, अजमाएं यह हैक

सर्दियों में जैकेट पहनने की जरूरत लगभग हर दिन पड़ती है, लेकिन इन्हें बार–बार धोना बेहद मुश्किल होता है। वहीं, ऊनी कपड़ों को धोने से अक्सर उनके रंग फीके पड़ने की चिंता बनी रहती है और सूरज की रोशनी कम होने के कारण उन्हें सुखाने में दो से तीन दिन लग सकते हैं। इसलिए कई बार लोग जैकेट धोने से बचते हैं, जिससे यह और भी गंदगी होने लगती है। इन हैक्स के जरिए आप भी अपने विंटर वियर्स को आसानी से साफ कर सकते हैं।

विंटर जैकेट को बिना धोए कैसे साफ करें?

– आप अपनी जैकेट को खोलकर उसे समतल बिछाकर रख दें। कॉलर, बांहों और अन्य गंदे एरिया पर ध्यान केंद्रित करते हुए जैकेट पर टैल्कम पाउडर छिड़कें।

– पाउडर को गंदे स्थानों पर धीरे से रगड़ने के लिए एक पुराने टूथब्रश का इस्तेमाल करें। इससे गंदगी हटाने में मदद मिलेगी, जो पाउडर के साथ निकल जाएगी।

– इसके बाद, एक तौलिये या पुराने कपड़े को हल्का गीला करें और अच्छी तरह से निचोड़ लें। पूरे जैकेट को कपड़े से पोंछें, इस बात का ध्यान रखें कि जैकेट को भीगने से बचाने के लिए यह बहुत गीला न हो। इस प्रक्रिया के दौरान जैकेट पर लगी गंदगी पाउडर की मदद से कपड़े पर चिपक जाएगी, जिससे जैकेट साफ हो जाएगी।

– जैकेट पोंछने के बाद आप देखेंगे कि, जैकेट से आने वाली अप्रिय गंध भी दूर हो गई है। आपकी जैकेट साफ हो जाएगी और बिना धोने की आवश्यकता के दोबारा पहनने के लिए तैयार हो जाएगी।

जेड रोलर से कर रहे हैं स्किन मसाज, तो भूल से भी ना करें ये गलतियां

हम सभी अपनी स्किन को हमेशा ही पैम्पर करना चाहते हैं और इसके लिए सेल्फ केयर करना सबसे अच्छा माना जाता है। जब सेल्फ स्किन केयर की बात हो तो कई टूल्स आपके बेहद काम आ सकते हैं। इन्हीं में से एक है जेड रोलर। जेड रोलर का इस्तेमाल करना आपके चेहरे को मिनी स्पा ट्रीटमेंट देने जैसा लगता है। यह आपकी स्किन को एक शांति का अहसास करवाता है और चेहरे की चमक को बरकरार रखता है। हालांकि, इसे सही तरह से करना बेहद जरूरी है। अगर आप सावधान नहीं हैं, तो यह ब्यूटी टूल फ़ायदे से ज़्यादा नुकसान कर सकता है। मसलन, गंदी स्किन पर इस्तेमाल करने से लेकर बहुत ज़्यादा दबाव डालने तक, ऐसी कुछ आम गलतियां हैं, जिसे अक्सर लोग जेड रोलर का इस्तेमाल करते समय करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको जेड रोलर का इस्तेमाल करते समय की जाने वाली ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए–

गंदी स्किन पर इस्तेमाल करना

अक्सर लोग बस जेड रोलर का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं, लेकिन गंदी स्किन पर जेड रोलर का इस्तेमाल करना आपकी एक बड़ी गलती हो सकती है। आपको शायद अंदाजा भी ना हो, लेकिन ऐसा करने से गंदगी, तेल और मेकअप आपके पोर्स के अंदर तक जा सकता है और आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, रोलर का इस्तेमाल करने से पहले हमेशा अपना चेहरा साफ करें ताकि आपके पोर्स बंद होने या एक्ने होने की संभावना ना हो।

मॉइश्चराइजर या सीरम न लगाना

कभी भी सूखे चेहरे पर जेड रोलर का इस्तेमाल करना अच्छा नहीं माना जाता है। जेड रोलर तब सबसे अच्छा काम करते हैं जब आपने स्किन पर फेशियल ऑयल, मॉइश्चराइजर या सीरम अप्लाई किया हो। यह न केवल प्रोसेस को आसान बनाता है बल्कि प्रोडक्ट को आपकी स्किन की गहराई तक पहुंचाने में भी मदद करता है।

किसी भी दिशा में रोल करना

जेड रोलर को इस्तेमाल करने का मतलब यह नहीं है कि आप इसे किसी भी दिशा में और किसी भी तरह से रोल करेंगे। हमेशा ऊपर और बाहर की ओर रोल करें। इससे त्वचा को ऊपर लिफ्ट करने और सूजन को कम करने में मदद मिलती है। नीचे की ओर रोल करने से त्वचा खिंच सकती है और समय के साथ ढीली हो सकती है।

बहुत अधिक प्रेशर से रोल करना

जेड रोलर का इस्तेमाल करते समय की जाने वाली एक आम गलती है इसमें बहुत अधिक प्रेशर डालना। बहुत ज़्यादा दबाव डालने से आपकी त्वचा में जलन हो सकती है, खासकर अगर यह सेंसेटिव या एक्ने प्रोन है। उस चमक के लिए आपको बस हल्के, लगातार स्ट्रोक की ज़रूरत है।

कश्मीर नहीं, अब औली में पाएं जन्नत जैसी बर्फबारी और शांति

दिसंबर साल का एक ऐसा महीना होता है, जब देश के कई राज्यों की खूबसूरती चरम पर होती है। दिसंबर में देश के कुछ राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ती है, तो पहाड़ी राज्यों में मनमोहक और हसीन बर्फबारी होती है। अधिकतर लोगों का सपना होता है कश्मीर में बर्फबारी का मजा लेना। ऐसे में कश्मीर की वादियों में बर्फबारी का आनंद लेने की अगर आपकी भी चाहत है, तो अब आप को कश्मीर जाने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप उत्तराखंड में रहकर ही कश्मीर का लुत्फ उठा सकते हैं। आज हम आपको ऐसी ही एक खास जगह के बारे में बताएंगे, जहां पर जाने के बाद आपको कश्मीर जैसी बर्फबारी का आनंद लेने को मिलेगा। इस जगह का नाम है औली, जो उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में स्थित है।

औलीः उत्तराखंड का स्वर्ग

औली, उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में बसा हुआ एक टूरिस्ट प्लेस है। समुद्रतल से लगभग 2,500 मीटर की ऊँचाई पर स्थित औली अपनी बर्फबारी, सुंदर दृश्य और शांति के लिए फेमस है। यहाँ का वातावरण और नेचर ब्यूटी, कश्मीर के प्रसिद्ध गुलमर्ग जैसे स्थलों से कम नहीं है।यह एक बहुत खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो हिमालय की गोद में बसा हुआ है। यहां का नजारा देखकर आपको दोबारा घर आने का मन ही नहीं करेगा। सर्दियों के मौसम में यहां पर खतरनाक बर्फबारी होती है, ऐसे में लोग यहां स्कीइंग का काफी मजा भी उठाते हैं।

स्कीइंग का ले मजा

औली स्कीइंग के शौकीनों के बीच एक लोकप्रिय स्थल बन चुका है। यहाँ के ढलानों पर भारत के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्कीइंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। अगर आप पहली बार स्कीइंग ट्राई करना चाहते हैं, तो यहाँ के गाइड्स आपकी मदद करेंगे। औली में स्थित आल वेदर स्की रिजॉर्ट और गुरसो बुग्याल जैसे स्थान स्कीइंग के लिए परफेक्ट हैं।इनके अलावा आप यहां पर पैराग्लाइडिंग, जिपलाइनिंग और बहुत सारी रोमांचक गतिविधियों को कर सकते हैं।

नेचुरल ब्यूटी और शांति

औली न केवल अपनी बर्फबारी के लिए फेमस है, बल्कि यहाँ का वातावरण भी शांति और सुकून से भरा हुआ है। हरे–भरे जंगल, बर्फ से ढके पेड़ यहाँ के दृश्य को और भी मनमोहक बनाते हैं। यदि आप नेचर के करीब रहना चाहते हैं और शहर की हलचल से दूर एक शांतिपूर्ण समय बिताना चाहते हैं, तो औली आपके लिए एक परफेक्ट जगह हो सकती है।

अपने पार्टनर के साथ करें इंजॉय

यकीन मानो अगर आप वाकई में हर चीज से परेशान हो गए हैं और एकदम शांत वातावरण की तलाश कर रहे हैं, तो यह जगह आपके लिए एकदम परफेक्ट है। अगर आपकी नई–नई शादी हुई है, तो आप अपने पार्टनर के साथ यहां आकर इंजॉय जरूर करें। यही नहीं अगर आप हिमालय की गोद में एक शांतिपूर्ण जगह ढूंढ रहे हैं, तो औली आपके लिए परफेक्ट जगह है।

कैसे पहुंचें औली?

औली पहुँचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन रुद्रप्रयाग है, और निकटतम एयरपोर्ट देहरादून में स्थित है। यहाँ से आपको टैक्सी या बस के माध्यम से औली पहुँचने की सुविधा मिलती है।औली घूमने के लिए सबसे अच्छा समय दिसंबर से लेकर मार्च तक माना गया है।

साड़ी में पाना चाहती हैं रॉयल लुक तो स्टाइल करें ये लेटेस्ट डिजाइंस वाली इयररिंग्स, लुक में लगेंगे चार चांद

कई खास मौकों पर महिलाएं खूबसूरत लुक पाने के लिए साड़ी पहनती हैं। लेकिन साड़ी में भी आपका लुक तभी अच्छा लगता है, जब आप इसके साथ परफेक्ट इयररिंग्स वियर करती हैं। आपको मार्केट में कई ऐसी इयररिंग्स मिल जाएंगी, जो आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगी। लेकिन अगर आप फैशन के साथ स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो आपको साड़ी के साथ लेटेस्ट डिजाइन वाली इयररिंग्स वियर करनी चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइन वाली इयररिंग्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें साड़ी पर वियर करने से आपको स्टाइलिश लुक मिलेगा।

क्रिस्टल ड्रॉप इयररिंग्स

अगर आप भी साड़ी में रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आपको क्रिस्टल ड्रॉप इयररिंग्स पहनना चाहिए। यह इयररिंग्स क्रिस्टल में हैं और इनमें स्टोन वर्क किया हुआ है, जो आपको रॉयल लुक देने का काम करेगा। आप साड़ी के साथ इस तरह की इयररिंग्स वियर कर सकती हैं। वहीं मार्केट में आपको 200–400 रुपए के बीच इस तरह की इयररिंग्स आसानी से मिल जाएंगी।

कुंदन वर्क इयररिंग्स

अगर आप सिंपल साड़ी पहनने का सोच रही हैं और उसके साथ आपको हैवी ज्वेलरी पहननी है। तो आप कुंदन वर्क इयररिंग्स स्टाइल कर सकती हैं। यह इयररिंग्स लाइट वेट में होती हैं और इसमें आपका लुक निखरकर आएगा। आपको मार्केट में या फिर ऑनलाइन 300 रुपए तक इस तरह की इयररिंग्स मिल जाएंगी।

रोज स्टाइल इयररिंग्स

अगर आप फ्लोरल या फिर लाइट कलर की साड़ी पहन रही हैं, तो आप रोज स्टाइल इयररिंग्स वियर कर सकती हैं। यह आपको न्यू लुक देने का काम करेंगे। इन इयररिंग्स में आपका लुक कमाल का लगेगा।

मोर डिजाइन इयररिंग्स

अगर आप कुछ नया ट्राई करने की सोच रही हैं, तो आपको एक बार मोड डिजाइन वाले इयररिंग्स वियर करना चाहिए। यह न्यू लुक पाने के लिए बढ़िया विकल्प हो सकता है। बता दें कि मार्केट में आपको 300 रुपए तक में इस तरह की इयररिंग्स मिल जाएंगी।

संक्षिप्त

सरकार ने जलमार्ग से माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए 'जलवाहक' प्रोत्साहन योजना शुरू की

कोलकाता,एजेंसी। केंद्र सरकार ने अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से माल की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए 'जलवाहक' योजना शुरू की। यह योजना राष्ट्रीय जलमार्ग–1 (गंगा), 2 (ब्रह्मपुत्र) और 16 (बराक नदी) पर टिकाऊ और लागत प्रभावी परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत–परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने तीन मालवाहक जहाजों को हरी झंडी दिखाई और जहाजों की निर्धारित अनुसूचित सेवा का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य अंतर्देशीय जलमार्गों की व्यापार क्षमता को खोलने के साथ–साथ रसद लागत को कम करना और सड़क और रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करना है। इस योजना के तहत, जलमार्गों के माध्यम से 300 किलोमीटर से अधिक दूरी तक माल परिवहन करने वाले कार्गो मालिकों को परिचालन लागत पर 35 प्रतिशत तक की प्रतिपूर्ति मिलेगी। यह योजना तीन वर्षों तक वैध रहेगी और इसे प्रमुख माल ढुलाई कंपनियों, माल ढुलाई प्रेषकों और व्यापार निकायों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को अनुकूलित करने के लिए तैयार किया गया है। इस योजना को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) और भारतीय शिपिंग निगम की अनुषंगी कंपनी अंतर्देशीय और तटीय शिपिंग लिमिटेड (आईसीएसएल) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जाएगा। निश्चित समय वाली नौकायन सेवा कोलकाता–पटना–वाराणसी और कोलकाता–पांडु (गुवाहाटी) मार्गों के बीच जहाजों को चलाएगी, जो कुशल और पर्यावरण के अनुकूल माल ढुलाई परिवहन के लिए जलमार्गों की तत्परता को प्रदर्शित करती है।

वोडाफोन आइडिया ने शुरू की 5जी सर्विस, इस शहरों में मिलेगी सेवाएं

वोडाफोन आइडिया (वीआई) कंपनी के ग्राहकों के लिए खुशखबरी है। लंबे इंतजार के बाद वोडाफोन आइडिया ने भारत में अपनी 5जी सर्विस को शुरू कर दिया है। वोडाफोन आइडिया भारत में तीसरा सबसे बड़ा दूरसंचार सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है। वोडाफोन आइडिया 17 दूरसंचार सर्किलों में 5जी कनेक्टिविटी की शुरुआत करने के लिए तैयार है। 5जी सर्विस की शुरुआत काफी महत्वपूर्ण शुरुआत है। यह रोलआउट दो साल बाद शुरू हुआ जब वीआई ने एयरटेल और जियो के साथ 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी में भाग लिया था। दोनों ने अक्टूबर 2022 में अपनी सेवाएं शुरू की थी।

दो साल बाद 5जी सेवाएं शुरू कीं

टेलीकॉम टॉक द्वारा दर्ज की गई रिपोर्ट के अनुसार, वीआई का 5जी नेटवर्क 3.3GHz और 26GHz स्पेक्ट्रम बैंड का उपयोग करता है। प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों उपयोगकर्ता 5जी कनेक्टिविटी का आनंद ले पाएंगे, हालाँकि शुरुआती लॉन्च कुछ खास जगहों तक ही सीमित है। वोडाफोन आइडिया की 5जी सेवा वर्तमान में निम्नलिखित क्षेत्रों में लाइव है, जो 3.5GHz स्पेक्ट्रम बैंड का उपयोग कर रही है।

जानें प्लान की कीमत

वीआई ने बिहार को छोड़कर अधिकांश सर्किलों में 2.6GHz स्पेक्ट्रम बैंड की तैनाती की है। वर्तमान में, इसकी 5जी सेवा केवल चुनिंदा क्षेत्रों में ही व्यावसायिक रूप से उपलब्ध है। कंपनी की तरफ से दो प्लान पेश किए गए हैं, जिसमें प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान शामिल है। प्रीपेड प्लानः 5जी सेवाओं तक पहुँचने के लिए उपयोगकर्ताओं को 475 रुपये के प्लान की आवश्यकता होगी। पोस्टपेड प्लानः REDX 1101 प्लान पोस्टपेड ग्राहकों के लिए 5जी लाभ प्रदान करता है।

ये होगा अगला कदम

हालाँकि रोलआउट अभी सीमित है, लेकिन यह लॉन्च वीआई के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जैसा कि कंपनी अपने 5जी नेटवर्क का विस्तार जारी रखती है, लाखों उपयोगकर्ता आने वाले महीनों में बेहतर कनेक्टिविटी और तेज़ इंटरनेट की उम्मीद कर सकते हैं।

भारत के लिए अपनी योजना पर कायम, कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएंगे : निसान

नयी दिल्ली, एजेंसी। जापान की वाहन कंपनी निसान की अपने भारतीय परिचालन को पटरी पर लाने की योजना अब भी कायम है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी वैश्विक स्तर पर जारी उथल–पुथल के बावजूद यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है। निसान इंडिया परिचालन के अध्यक्ष फ्रैंक टोरेस ने पीटीआई–को बताया कि कंपनी ने तीसरी पाली जोड़ने के लिए अपने चेन्नई संयंत्र में कर्मचारियों की संख्या में 600 की वृद्धि की है। कंपनी को नहीं लगता कि 9,000 नौकरियों में कटौती और वैश्विक स्तर पर 20 प्रतिशत उत्पादन में कमी का भारत पर कोई प्रभाव पड़ेगा, बशर्ते वह बाजार में प्रतिस्पर्धी बनी रहे। उन्होंने कहा, "निसान भारत पर बड़ा दांव लगा रही है...और वैश्विक उथल–पुथल के बावजूद उसकी योजनाएं (भारत के लिए) बरकरार हैं।" टोरेस एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वैश्विक स्तर पर नौकरियों और उत्पादन में कटौती की घोषणा का निसान के भारतीय परिचालन पर असर पड़ेगा। टोरेस ने कहा, "धारणा के विपरीत, भारत में हम अपने सदस्यों को मजबूत कर रहे हैं, अपना उत्पादन बढ़ा रहे हैं, और हमने चेन्नई में अपने विनिर्माण संयंत्र में लगभग 600 नए पद जोड़े हैं।" उन्होंने कहा, "यह कदम उत्पादन में बदलाव में मदद करने के लिए है। हम दो नए मॉडल के साथ बहुत जल्द उत्पादन का विस्तार कर रहे हैं...यह वैश्विक कार्रवाई के बावजूद है, जिसमें पुनर्गठन शामिल है। हम यह अनुमान नहीं लगाते हैं कि इसका असर भारत पर पड़ेगा क्योंकि हमारी योजनाएं अब भी अछूती हैं। बेशक, हमारे लिए मुख्य बिंदु प्रतिस्पर्धी बने रहना है। क्योंकि, अंत में निसान के अंदर यही सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।" इसी साल जुलाई में निसान इंडिया ने कहा था कि वह अगले 30 महीनों में पांच मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, क्योंकि वह तेजी से बढ़ते भारतीय कार बाजार में अपने परिचालन को बदलना चाहती है।

बल्लेबाजों ने फिर किया निराश, बारिश के खलल के बीच भारत ने 51 रन तक चार विकेट गंवाए

भारत के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल 33 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा उनका साथ निभा रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 394 रन से पीछे है जबकि उसके सिर्फ छह विकेट शेष हैं और मेहमान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती फॉलोआन बचाने की है।

ब्रिस्बेन, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में असमर्थ रहे जिससे मेहमान टीम तीसरे क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित तीसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी में 51 रन तक चार विकेट गंवाकर संकट में है। बारिश के लगातार खलल के बीच कई बार खेल रुका और फिर शुरू हुआ। जसप्रीत बुमराह ने 76 रन देकर छह विकेट चटकाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 445 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 405 रन से आगे खेलते हुए 40 रन और जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट भी गंवा दिए। एलेक्स कैरी ने 88 गेंद में 70 रन की पारी खेली। वह आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जबकि कल ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने विपरीत अंदाज में शतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर की नींव रखी थी। स्टंप के समय भारत के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल 33 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा उनका साथ निभा रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 394 रन से पीछे है जबकि उसके सिर्फ छह विकेट शेष हैं और मेहमान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती फॉलोआन बचाने की है। ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर के जवाब में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (25 रन पर दो विकेट) ने दो और जोश हेजलवुड (17 रन पर एक विकेट) ने एक विकेट चटकाया जिससे भारत ने लंच तक 22 रन तक तीन विकेट

गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (सात रन पर एक विकेट) ने दूसरे सत्र में ऋषभ पंत (09) का बड़ा विकेट लेकर भारत की हालत और खराब कर दी। भारतीय पारी के दौरान ऑस्ट्रेलियाई दबदबे के बीच कई बार बारिश के कारण खेल रोका गया और फिर शुरू हुआ लेकिन अधिक ओवर नहीं फेंके जा सके। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि मेजबान टीम ने विकेट के आगे से ज्यादा क्षेत्ररक्षक विकेट के पीछे खड़े किए थे। कमिंस ने पंत को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराके भारत को चौथा झटका दिया जिसके कुछ देर बार बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और फिर चाय का विश्राम लिया गया। चाय और समापन के बीच तीन ओवर भी नहीं फेंके जा सके। स्टार्क ने इससे पहले भारतीय पारी की दूसरी गेंद पर ही यशस्वी जायसवाल (04) को शॉर्ट मिडविकेट पर मिचेल मार्श के हाथों कैच कराया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में शुभमन गिल (01) भी स्लिप में मार्श को कैच दे बैठे जबकि हेजलवुड ने विराट कोहली (03) को लंच से ठीक पहले विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराके भारत को तीसरा झटका दिया। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह सात विकेट पर 405 रन से आगे खेलना शुरू किया। कैरी ने 45 रन की पारी को आगे बढ़ाते हुए रविंद्र जडेजा की गेंद पर फाइन लेग की ओर चौका लगाकर 53 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि स्टार्क ने भी जडेजा को स्लॉग स्वीप करके स्क्वायर लेग पर छक्का जड़ा। अपनी सटीक गेंदबाजी से एक छोर पर रन गति पर अंकुश लगाने के लिए पहचाने जाने वाले जडेजा ने पांच रन प्रति ओवर की दर से रन दिए और उनके इस प्रदर्शन से तेज गेंदबाजों पर अतिरिक्त बोझ आया। गाबा की सतह पर थोड़ा टर्न और उछाल था लेकिन जडेजा बाएं हाथ के बल्लेबाजों को बहुत सीधी गेंदबाजी करने के दोषी रहे। स्टार्क (18) ने बुमराह पर मिडविकेट पर चौका मारा लेकिन चार गेंद बाद इस भारतीय तेज गेंदबाज की गेंद पर विकेटकीपर पंत को कैच दे बैठे। यह बुमराह का पारी का छठा, श्रृंखला का 18वां और ऑस्ट्रेलिया में 50वां विकेट था। बारिश के कारण कुछ देर के लिए खेल बाधित रहा और जब खेल दोबारा शुरू हुआ तो मोहम्मद सिराज (97 रन पर दो विकेट) ने नाथन लियोन (02) को बोल्ड कर दिया। आकाश दीप (95 रन पर एक विकेट) ने कैरी को बाउंड्री पर कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया।

जेसन गिलेस्पी ने तोड़ी चुप्पी, पाकिस्तान के हेड कोच का पद छोड़ने का बताया कारण

अब गिलेस्पी ने खुद पद छोड़ने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। साथ ही पीसीबी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कभी भी उन्हें कोच के तौर पर नहीं चाहा गया था। उन्होंने ये भी कहा कि उनके और पीसीबी के बीच कम्यूनिकेशन क्लियर नहीं था और हाई परफॉर्मेंस कोच टिम नीलसन की बर्खास्तगी ने अंततः उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर किया।

स्तान क्रिकेट में आए दिन कुछ न कुछ सुर्खियां चलती ही रहती हैं। कभी टीम के खिलाड़ियों के बीच आपसी नोकझोंक तो काफी बोर्ड द्वारा स्टाफ और कोच को बदलने की खबरे, पाकिस्तान क्रिकेट में ये आम सा है। हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टेस्ट हेड कोच रहे जेसन गिलेस्पी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद अब गिलेस्पी ने खुद पद छोड़ने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। साथ ही पीसीबी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कभी भी उन्हें कोच के तौर पर नहीं चाहा गया था। उन्होंने ये भी कहा कि उनके और पीसीबी के बीच कम्यूनिकेशन क्लियर नहीं था और हाई परफॉर्मेंस कोच टिम नीलसन की बर्खास्तगी ने अंततः उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर किया। एबीसी स्पोर्ट से बात करते हुए गिलेस्पी ने कहा कि, निश्चित रूप से चुनौतियां थीं। मैं इस पद पर खुली आंखों से गया था, मैं ये बात स्पष्ट करना चाहता हूं। मैं जानता था कि, आप जानते हैं पाकिस्तान ने बहुत कम समय में कई कोचों को बदल दिया है। उन्होंने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि सबसे बड़ी समस्या ये थी कि ये एक मुख्य कोच के रूप में आप अपने नियोक्ता के साथ स्पष्ट संवाद करना पसंद करते हैं। मैं हाई परफॉर्मेंस कोच को न रखने के निर्णय से पूरी तरह से अचंभित था। जेसन गिलेस्पी ने ये भी खुलासा किया कि हाई–परफॉर्मेंस कोच न रखने के फैसले से वह पूरी तरह से हैरान थे। उन्होंने बताया कि नीलसन और टीम के प्रदर्शन के बारे में उन्हें जो फीडबैक दिया गया था, वह सकारात्मक था, इसलिए हाई –परफॉर्मेंस कोच को हटाने का कोई कारण नहीं था। गिलेस्पी ने आगे बताया कि, टिम नीलसन को बताया गया कि अब उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है, और मुझे इस बारे में किसी से कोई जानकारी नहीं मिली।

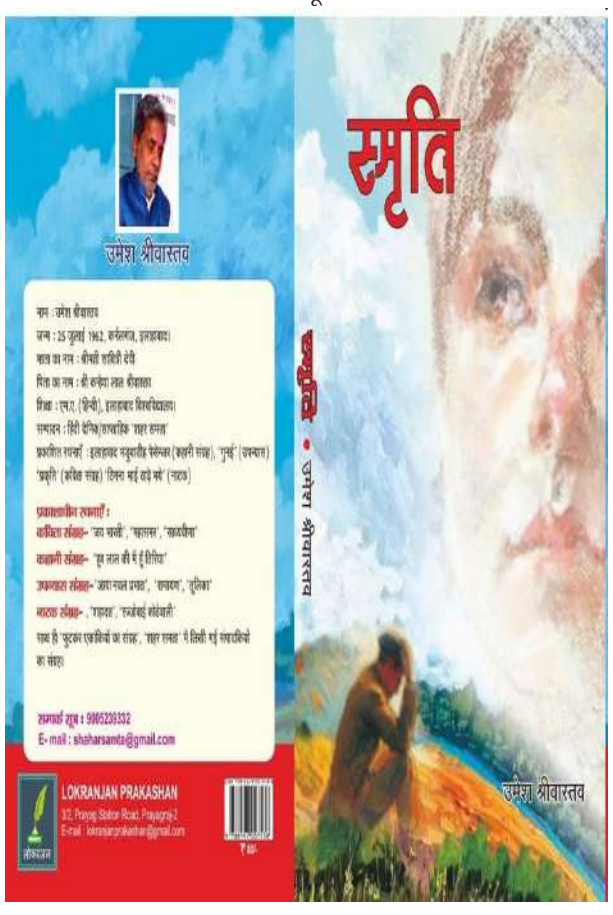

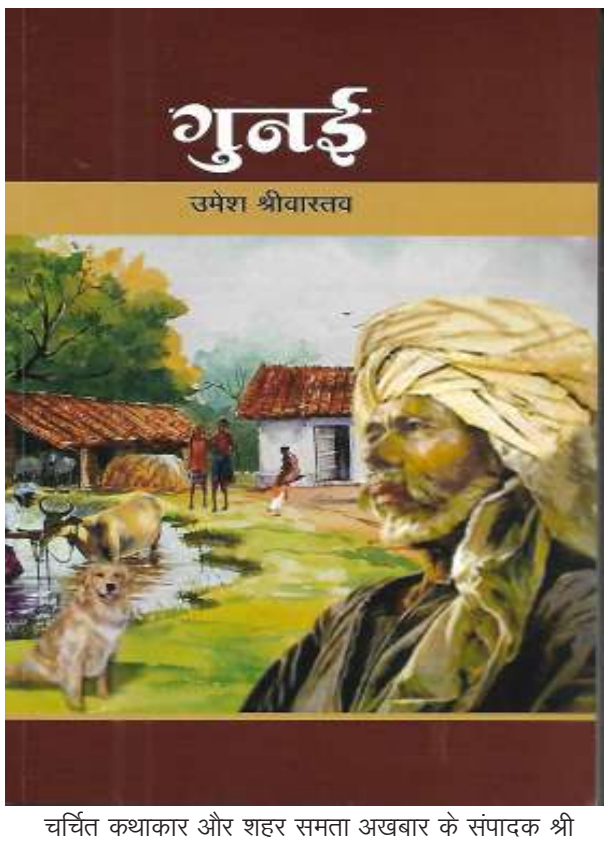

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

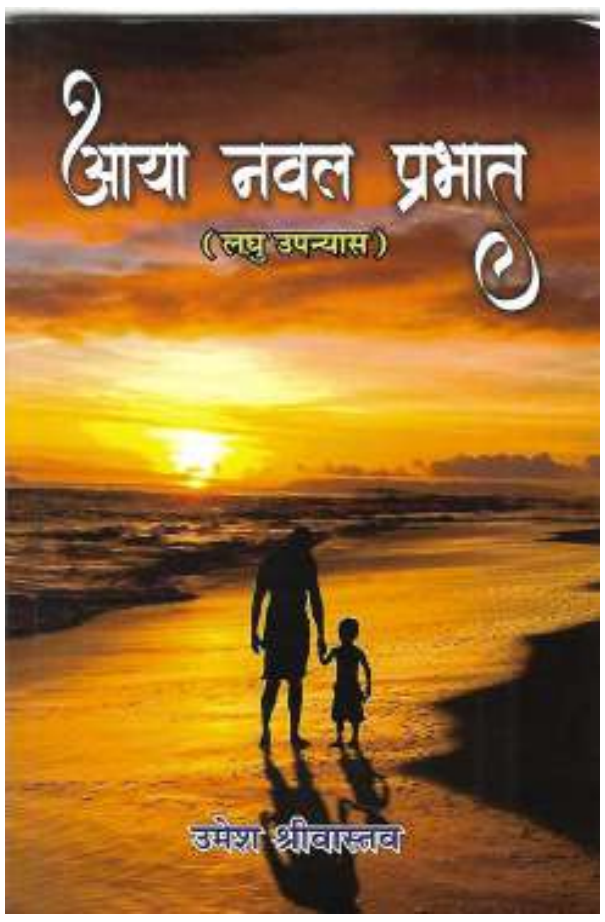

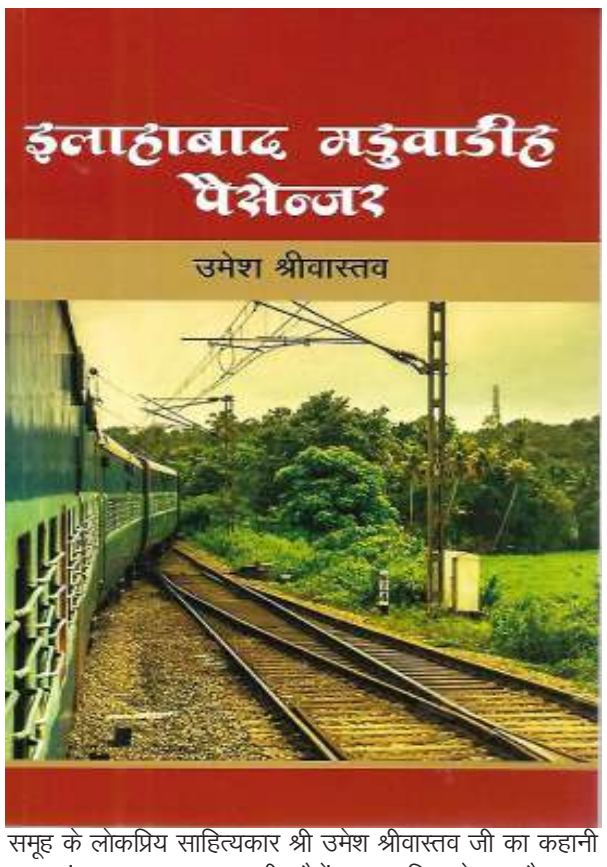

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

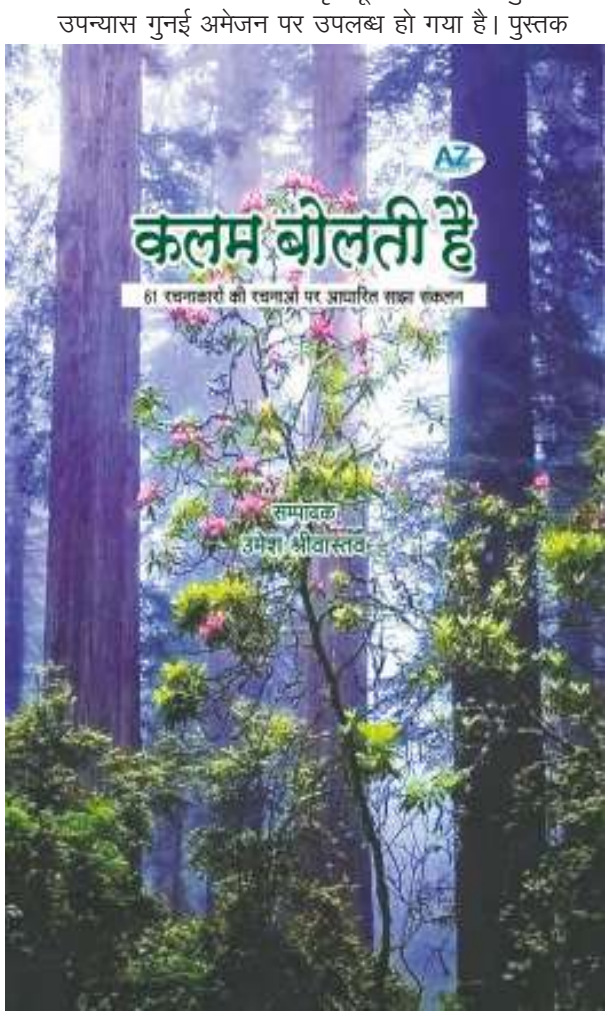

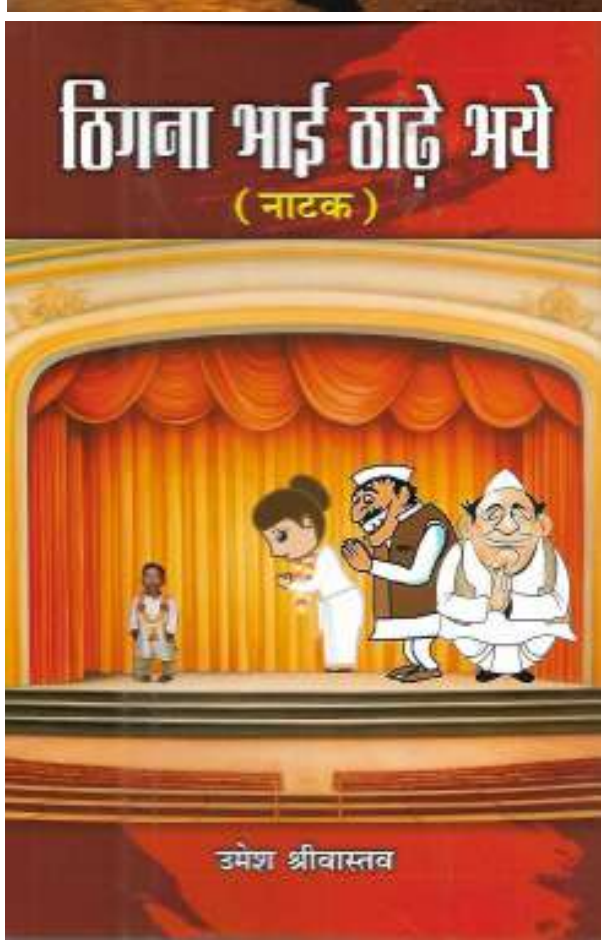

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गिलगित-बाल्टिस्तान में भूस्खलन की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित–बाल्टिस्तान क्षेत्र के स्कर्दू में रोंडो मालुपा के पास रविवार को एक वाहन भूस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे इसमें सवार कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वाहन स्कर्दू से शांगस की ओर जा रहा था तभी अचानक यह गिरते हुए मलबे के नीचे दब गया। पुलिस ने इस

घटना को ''भयावह'' करार दिया क्योंकि भारी मात्रा में मलबा गिरने से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे उसमें मौजूद लोगों को बचने का मौका नहीं मिला। उसने बताया कि राहत–बचवा अभियान के लिए घटनास्थल पर तुरंत बचाव दल को भेजा गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि इस घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

रूस ने केर्च जलडमरूमध्य में तूफान से दो तेल टैंकरों को हुए नुकसान के बाद बचाव अभियान शुरू किया

केर्च जलडमरूमध्य में आए तूफान के कारण दो रूसी तेल टैंकरों को भारी नुकसान पहुंचा, उनसे तेल का रिसाव हुआ और एक आपात बचाव अभियान शुरू किया गया। रूसी अधिकारियों ने रविवार को एक सरकारी समाचार एजेंसी को यह जानकारी दी। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' ने देश के आपात स्थिति मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि

वोल्गोनेफ्ट–212 टैंकर तूफान में फंस गया और उसका अगला हिस्सा फट गया। टैंकर पर चालक दल के 13 सदस्य सवार थे और ईंधन भरा हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि यह क्षति खराब मौसम के कारण हुई। आपात मंत्रालय ने बताया कि दूसरा टैंकर वोल्गोनेफ्ट 239 भी तूफान में क्षतिग्रस्त हो गया। इस पर चालक दल के 14 सदस्य सवार थे। केर्च जलडमरूमध्य रूस के कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप को रूस से अलग करता है और यह विश्व का एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यह जलडमरूमध्य आजोव सागर से काला सागर को जोड़ता है।

यूक्रेन ने ड्रोन से रूस के चेचन्या पर किया हमला

यूक्रेन ने एक ड्रोन से रविवार को रूस के चेचन्या क्षेत्र में नेशनल गार्ड के एक परिसर पर हमला किया। रूस की ओर से किए जा रहे बड़े पैमाने पर हवाई हमले के बाद कीव ने जवाबी हमले जारी रखे हैं। सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो फुटेज में एक ड्रोन को विस्फोट से पहले चेचन्या की

राजधानी ग्रोज्नी के आसमान में देखा गया। इस हमले में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हमले का यह क्षेत्र यूक्रेन की सीमा से लगभग 800 किलोमीटर दक्षिण–पूर्व में स्थित है। चेचन्या के नेता रमजान कादिरोव ने पुष्टि की कि ड्रोन ने अखमत ग्रोज्नी पुलिस बटालियन से संबंधित एक स्थान पर हमला किया था। उन्होंने कहा कि हवाई सुरक्षा बलों ने दो अन्य ड्रोन को मार गिराया है।

फ्रांस के मायोट क्षेत्र में चक्रवात 'चिडो' से लगभग एक हजार लोगों की मौत : अधिकारी

फ्रांस के मायोट क्षेत्र में चक्रवात 'चिडो' से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या लगभग 1,000 हो सकती है। सरकार के शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। मायोट प्रीफेक्ट फ्रांकोइस–जेवियर बियुविले ने टीवी चौनल मायोट ला1एरे से कहा, "मुझे लगता है कि सैकड़ों लोग मारे गए हैं, शायद संख्या लगभग एक हजार के करीब पहुंच जाए।" उन्होंने बताया कि शनिवार को हिंद महासागर के द्वीपों पर आए भीषण उष्णकटिबंधीय चक्रवात के कारण हुई व्यापक तबाही के बाद अभी सटीक संख्या बता पाना 'बेहद कठिन' है। अधिकारियों ने रविवार को पहले मायोट में कम से कम 11 लोगों की मौत की पुष्टि की थी लेकिन कहा था कि यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। अफ्रीका के तट से दूर दक्षिण–पूर्वी हिंद महासागर में स्थित मायोट, फ्रांस का सबसे गरीब द्वीप क्षेत्र और यूरोपीय संघ का सबसे गरीब क्षेत्र है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

वाह उस्ताद वाह! ज़ाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि देते हुए अमेरिकन एंबेसी ने शेयर किया दिल छू लेने वाला वीडियो

वासिंग्टन, एजेसी। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाले तबला वादक जाकिर हुसैन को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए भारत में अमेरिकी दूतावास ने कहा कि जाकिर एक सच्चे वादक थे जिन्होंने दुनिया भर में लाखों दिलों को छू लिया। दूतावास ने एक्स पर हुसैन की विशेषता वाला एक वीडियो पोस्ट किया, जो अमेरिका–भारत संबंधों के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए बनाया गया था। एक्स पर दूतावास की पोस्ट में लिखा कि हमारे दिलों में हमेशा के लिए, वाह उस्ताद वाह! हम उस्ताद जाकिर हुसैन को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जो एक सच्चे उस्ताद थे, जिन्होंने अमेरिका के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए उनके साथ बनाए गए इस विशेष वीडियो से दुनिया भर में लाखों दिलों को छू लिया। प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर हुसैन का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। परिवार ने एक बयान में कहा कि हुसैन की मृत्यु फेफड़े संबंधी समस्या इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस से उत्पन्न जटिलताओं के कारण हुई। वह 73 वर्ष के थे। हुसैन पिछले दो सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें आईसीयू में रखा गया था। हुसैन की बहन खुर्शीद औलिया ने कहा कि उन्होंने ''सुकून के साथ अंतिम सांस ली। छह दशकों के अपने करियर में, हुसैन ने कई प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया, लेकिन गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन, वायलिन वादक एल शंकर और तालवादक टीएच 'विक्कू' विनायक्रम के साथ 1973 में भारतीय शास्त्रीय संगीत और पश्चिमी जैज संगीत के तत्वों के उनके संलयन को काफी सराहा गया। हुसैन ने मात्र सात वर्ष की आयु से ही तबले पर हाथ आजमाना शुरू कर दिया था और आगे चलकर उन्होंने पंडित रविशंकर, अली अकबर खान और शिवकुमार शर्मा जैसे दिग्गजों सहित भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित संगीत कलाकारों के साथ काम किया। यो–यो मा, चार्ल्स लॉयड, बेला फ्लेक, एडगर मेयर, मिकी हार्ट और जॉर्ज हैरिसन जैसे पश्चिमी संगीतकारों के साथ उनके अभूतपूर्व संगीत ने भारतीय शास्त्रीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाया। हुसैन ने अपने करियर में पांच ग्रैमी पुरस्कार जीते, जिनमें से तीन इस साल की शुरुआत में 66वें ग्रैमी पुरस्कार में मिले थे। भारत के सबसे प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकारों में से एक हुसैन को 1988 में 'पद्म श्री', 2002 में 'पद्म भूषण' और 2023 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया।

पुतिन से मिले तो गलवान से झट से पीछे हटा चीन

अब कौन सा नया प्लान लेकर बीजिंग जाने वाले हैं मोदी के जेम्स बॉन्ड

भारत और चीन के बीच बॉर्डर पर चला आ रहा गतिरोध अब थमता नजर आ रहा है। अब खबर आ रही है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सेनाओं के पीछे हटने के बाद लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के आने वाले हफ्तों में चीन का दौरा करने की उम्मीद है। नाम न छापने की शर्त पर लोगों ने बताया कि दोनों पक्ष यात्रा की तारीखें तय करने के लिए काम कर रहे हैं और एनएसए साल के अंत तक या जनवरी की शुरुआत में सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों के तंत्र के तहत बातचीत के लिए बीजिंग का दौरा कर सकते हैं। विशेष प्रतिनिधियों के बीच आगामी बैठक 23 अक्टूबर को कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच, जी20 शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस जयशंकर और विदेश मंत्री वांग यी के बीच और 18 नवंबर को रियो डी जनेरियो में, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके चीनी समकक्ष डोंग जून 20 नवंबर को वियनतियाने में आसियान रक्षा मंत्री–प्लस बैठक के बाद होगी। मोदी और शी ने अपनी बैठक के दौरान सीमा मुद्दे के समाधान और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों की बैठकों सहित कई तंत्रों को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया था। बीते दिनों चीन ने गलवान घाटी से अपने सैनिकों को हटा दिया। ये तो आप सभी को पता हैं कि गलवान में हुई झड़प के बाद भारत और चीन के रिश्ते बेहद तल्ख हो गए थे। चीन लगातार गलवान में डटा हुआ था। लेकिन चार साल गलवान घाटी में डटे रहने के बाद चीन ने अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया। इस गतिरोध के हल के पीछे अजित डोभाल की बड़ी भूमिका थी। 12 सितंबर को वांग यी और डोभाल की सेंट पीटर्सबर्ग में मुलाकात हुई थी। जब दोनों पक्ष उन व्यवस्थाओं को मजबूत कर रहे थे, जिसके कारण 21 अक्टूबर को दो तनावपूर्ण क्षेत्र डेमचोक और देपसांग में अग्रिम पंक्ति के बलों को हटाने पर सहमति बनी थी।

बांग्लादेश में अगला चुनाव 2025 के अंत या 2026 की पहली छमाही में होने की संभावना : यूनुस

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा कि देश में अगला आम चुनाव 2025 के अंत तक या 2026 की पहली छमाही में होने की संभावना है। यूनुस ने साथ ही कहा कि चुनाव की तिथि राजनीतिक आम सहमति और इस बात पर निर्भर करेगी कि चुनाव से पहले किस हद तक सुधार किए जाने की आवश्यकता है। यूनुस ने विजय दिवस के मौके पर टेलीविजन पर प्रसारित राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा, ''मोटे तौर पर कहें तो चुनाव 2025 के अंत और 2026 की पहली छमाही के बीच निर्धारित होने की संभावना है।'' विजय दिवस 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किए जाने की याद में मनाया जाता है। भारत की ऐतिहासिक जीत के कारण बांग्लादेश को आजादी मिली थी। यूनुस ने कहा कि उन्होंने सभी से बार–बार अपील की है कि सभी बड़े सुधार होने के बाद ही चुनाव कराए जाएं। 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश' ने यूनुस के हवाले से कहा, ''अगर राजनीतिक सहमति बनने पर हमें त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करने के आधार पर मामूली सुधारों के साथ चुनाव कराना है तो 2025 के अंत तक चुनाव हो सकते हैं।'' यूनुस ने कहा, ''और यदि हमें इसके साथ चुनाव सुधार आयोग की सिफारिशों एवं राष्ट्रीय आम सहमति के आधार पर चुनाव प्रक्रिया में अपेक्षित स्तर का सुधार करना है तो इसमें कम से कम छह महीने और लग सकते हैं।'' छात्रों के नेतृत्व में हुए विद्रोह के कारण शेख हसीना की सरकार के पांच अगस्त को अपदस्थ होने के बाद यूनुस को कार्यवाहक सरकार का प्रमुख बनाया गया। यूनुस ने मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए आवश्यक व्यापक कार्य पर प्रकाश डाला, जो चुनाव प्रक्रिया के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने

कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना है कि पिछले 15 साल में जो लोग मतदान के पात्र बने हैं, उन सभी के नाम मतदाता सूची में शामिल हों। यह एक बड़ा काम है।'' उन्होंने कहा कि छात्रों के विद्रोह के बाद गलती करने की अब कोई गुंजाइश नहीं है, क्योंकि लंबे समय के बाद ऐसा होगा जब कई युवा पहली बार मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अतीत में उन्हें इस अधिकार और खुशी से वंचित रखा गया था।

असद सरकार के सत्ता से हटने का असर, कतर ने 13 साल बाद खोला अपना दूतावास

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में बशर अल असद सरकार के सत्ता से हटने और बागी समूहों द्वारा सत्ता कब्जाने के बाद अब दुनियाभर के देशों ने भी नई सरकार को स्वीकार कर लिया है और उनके साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करने शुरू कर दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत सीरिया की राजधानी दमिश्क पहुंच चुके हैं। विशेष दूत ने सीरिया के नए नेता और हयात तहरीर अल शाम के प्रमुख अबू मोहम्मद अल जोलानी से भी उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित एक विश्वसनीय न्याय प्रणाली और जवाबदेही हो और बदले की कतर के दूतावास भी 13 साल में काम करना शुरू कर देगा। विरोधी विद्रोह के शुरुआती दौर में कर दिया था। इस विद्रोह के बाद था, जो 13 साल चला। गृहयुद्ध बशर अल असद सरकार के साथ कतर ने ऐसा नहीं किया। तुर्किए

मुलाकात की। इस मुलाकात में करने की जरूरत है कि देश में स्थापित हो, अपराधों के लिए न्याय भावना से काम न किया जाए। बाद मंगलवार से फिर से दमिश्क कतर ने 13 साल पहले सरकार दमिश्क में अपना दूतावास बंद ही सीरिया में गृहयुद्ध शुरू हुआ के दौरान दुनिया के अन्य देशों ने अपने संबंध जारी रखे, लेकिन ने भी 12 साल बाद दमिश्क में अपना दूतावास फिर से खोल दिया। सीरिया के उत्तर–पश्चिम में तुर्किए का काफी प्रभाव है और सीरिया की राजनीति में भी तुर्किए की खास जगह है। ब्रिटेन ने भी सीरिया की नई सरकार के साथ अपने कूटनीतिक संबंध बहाल कर लिए हैं। हालांकि ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने कहा कि लंदन ने हयात तहरीर अल–शाम (भ्जै) के साथ राजनयिक संपर्क स्थापित किया है, लेकिन वे अभी भी एचटीएस को एक आतंकी समूह मानते हैं। ब्रिटेन ने सीरियाई लोगों की मदद के लिए एक आर्थिक पैकेज का भी एलान किया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी कहा है कि उनके देश के साल 2018 से ही एचटीएस के साथ सीधा संपर्क है।

सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के दूत ने असद सरकार के पतन के बाद प्रतिबंधों से राहत देने की मांग की

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के दूत ने राष्ट्रपति बशर असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों को शीघ्र समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बशर असद के पतन के बाद देश के नये नेताओं, क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियों ने आगे की राह बनानी शुरू कर दी है। वर्ष 2011 में शांतिपूर्ण सरकार विरोधी प्रदर्शनों के खिलाफ असद की क्रूर कार्रवाई के परिणामस्वरूप सीरिया को सालों से अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों के सख्त प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। ये विरोध–प्रदर्शन बाद में गृह युद्ध में तब्दील हो गए थे। इस संघर्ष में लगभग पांच लाख लोग मारे गए और विस्थापन के कारण देश की युद्ध–पूर्व आबादी 2.3 करोड़ से घटकर आधी रह गई। राजनीतिक समाधान के अभाव में सरकारी कब्जे वाले क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और संपत्ति के पुनर्निर्माण को रोकने के उद्देश्य से लगाए गए प्रतिबंधों के कारण पुनर्निर्माण काफी हद तक बाधित हुआ। संयुक्त राष्ट्र के दूत गीर पेडर्सन ने दमिश्क की यात्रा के दौरान संवाददाताओं से कहा, ''हमें उम्मीद है कि प्रतिबंधों का शीघ्र अंत होगा ताकि हम वास्तव में सीरिया के निर्माण के लिए एक एकजुटता देख सकें।'' पेडर्सन ने इस्लामिक आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल–शाम या एचटीएस के नेतृत्व में असद को उखाड़ फेंकने वाली पूर्व विपक्षी ताकतों द्वारा स्थापित नई अंतरिम सरकार के अधिकारियों से मिलने के लिए दमिश्क की यात्रा की। वाशिंगटन में अधिकारियों ने संकेत दिया है कि बाइडन प्रशासन समूह के 'आतंकवादी दर्जे' को हटाने पर विचार कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को कहा कि अधिकारी समूह के साथ सीधे संपर्क में हैं।

नेतन्याहू और ट्रंप के बीच फोन पर हुई खास बातचीत, इस्राइली पीएम बोले- पश्चिम एशिया का नक्शा बदल देंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बात की। नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहुत अच्छी, अहम और गर्मजोशी भरी बातचीत हुई। नेतन्याहू ने ये भी कहा कि उन्होंने ट्रंप को बताया कि इस्राइल को इस लड़ाई को खत्म करने के लिए क्या मदद चाहिए। हमास ने बीते साल 7 अक्तूबर को इस्राइल पर बड़ा आतंकी हमला किया था, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 100 लोग हमास की कैद में हैं। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा पर हवाई और जमीनी हमला किया, जिसमें 45 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। हमास का पूरा नेतृत्व खत्म हो चुका है, लेकिन अभी भी इस्राइली बंधक गाजा में कैद हैं, जिन्हें छुड़ाने की कोशिशें जारी हैं। नेतन्याहू ने वीडियो संदेश में ट्रंप से हुई बातचीत पर कहा कि श्ये बहुत दोस्ताना और अहम बातचीत रही। हमने इस्राइली जीत के बारे में बात की, साथ ही बंधकों को छुड़ाने की कोशिशों पर भी चर्चा की।श नेतन्याहू ने कहा कि श्इस्राइल, बंधकों को घर वापस लाने के लिए लगातार काम कर रहा है और मैं ये कहना चाहता हूं कि हम इसके बारे में जितना कम बात करेंगे, उतना ही बेहतर होगा और भगवान की मदद से हम जरूर सफल होंगे। रविवार को इस्राइली पीएम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।